रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:93 मंगलवार,09 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

इंडिगो का डीजीसीए को जवाब, कारण बताना संभव नहीं

एजेंसी

हजारों उड़ानें रद्द करने और यात्रियों को हुई परेशानी पर निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने कहा है कि इस संकट का 'सटीक कारण बताना इस समय संभव नहीं है।' पूरे मामले पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के कारण बताओ नोटिस के जवाब में इंडिगो ने और समय मांगते हुए सोमवार को कहा कि परिचालन की जटिलता और व्यापकता को देखते हुए 'व्यावहारिक तौर पर सटीक कारण बताना इस समय संभव नहीं है।'

जेपीएससी कार्यालय के बाहर फिर प्रदर्शन

संवाददाता

रांची : झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन (जेपीएससी) कार्यालय रांची के बाहर आज एक बार फिर अभ्यर्थियों का आक्रोश फूट पड़ा। फूड सेफ्टी ऑफिसर (एफएसओ) और चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर (सीडीपीओ) परीक्षा के रिजल्ट अभी तक जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थी सोमवार को आयोग कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी मांग कर रहे है कि फूड सेफ्टी ऑफिसर रिजल्ट और सीडीपीओ रिजल्ट जल्द से जल्द जारी किया जाए। इस मौके पर अभ्यर्थियों ने जेपीएससी से स्पष्ट जवाब मांगा कि रिजल्ट में देरी क्यों हो रही हैं। उन्होंने आगे भी जोर देकर कहा कि रिजल्ट जल्द प्रकाशित न होने पर आंदोलन और तेजकिया जाएगा।

तनाव बढ़ने पर थाईलैंड ने ंबोडियाई सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

संवाददाता

सोमवार को थाईलैंड ने कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एकदूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गयी थी। गौरतलब है कि अक्टूबर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए एक संघर्षविराम समझौते के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवादों ने जुलाई में पांच दिनों तक चलेसंघर्ष को जन्म दिया था।

मुस्लिम लीग के दबाव में 'वंदे मातरम' के बंटवारे पर झुक गई कांग्रेस : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली:सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर चर्चा की शुरूआत की। उन्होंने दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी, इसलिए उसे एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा। चर्चा के प्रारंभ में ही प्रधानमंत्री ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा, कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा कर दिया। मोदी ने कहा कि जब मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम के विरोध का नारा बुंलद किया तो तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा कि वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को इरिटेट (क्षुब्ध) कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता कर लिया और इसके टुकड़े कर दिए और इसके लिए सामाजिक सद्भाव का हवाला दिया गया। महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो। उन्होंने सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों की टोका-टाकी के बीच कहा,

- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर लोकसभा में की चर्चा की शुरुआत
- 100 साल पूरे होने के समय 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का दिया हवाला

त्याग और तपस्या का दिखाया मार्ग

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

वंदे मातरम को विवादित करने का प्रधानमंत्री मोदी ने किया महापाप : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा सरकार पर वंदे मातरम को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया और दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदनमें चर्चा कराई गई है। कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भाषण अच्छा देते हैं, लेकिन तथ्यों में कमजोर हैं। कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में ऐसी चर्चा करा लेनी चाहिए, ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी,

झारखंड कैबिनेट में 33 प्रस्तावों पर लगी मुहर

किसानों पर हेमंत सरकार मेहरबान रु2450/ की दर से खरीदेगी धान

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में सोमवार को 33 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। बैठक में धान खरीद दर से लेकर अवकाश, मेला-महोत्सव, सड़क निर्माण, विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य और खनन से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। झारखंड की कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार अब किसानों से 2450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदारी करेगी। इसमें राज्य सरकार की ओर से प्रति क्विंटल 100 रुपये की विशेष सहायता भी शामिल है। कैबिनेट ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 और आगामी खरीफ विपणन वर्षों में

किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्यपर धान अधिप्राप्ति के लिए झारखंड राज्य धान अधिप्राप्ति योजना की स्वीकृति दी। वहीं खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति को लेकर धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से किसानों को बोनस की राशि की स्वीकृति दी गई। इसके लिए कुल 48 करोड़ 60 लाख रुपये स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस दोनों मिलाकर 2450 रुपए प्रति क्विंटल धान अधिप्राप्ति की दर निर्धारित करने स्वीकृति दी। कैबिनेट ने राजकीय मेला और महोत्सवों के आयोजन के लिए संशोधित मार्गदर्शिका की स्वीकृति दी है। संशोधित मार्गदर्शिका के अनुसार, विभाग की ओर से राज्य में 13 मेला और महोत्सवों को राजकीय मेला और महोत्सव के रूप में अधिसूचित किया गया है। इसमें ईटखोरी महोत्सव-चतरा, बैद्यनाथ महोत्सव-देवघर, बासुकीनाथ महोत्सव-बासुकीनाथ, देवघर, माघी मेला- राजमहल साहेबगंज, हिजलामेला-दुमका, छऊ महोत्सवसराके ला-खरसावां, मुडमा मेला- दुमका, लुगुबुरू महोत्सव-लुगुबुरू बोकारो, गणतंत्र महोत्सरव-गोडडा, आदिवासी महाकुंभ विकास मेला-पलामू, श्री वंशीधर महोत्संव-श्री वंशीधरनगर गढवा,

बालूमाथ और चतरा में खुलेगा डिग्री कॉलेज

प्रस्तावों में बालूमाथ और चतरा में डिग्री कॉलेज के निर्माण को मंजूरी दी गई। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू अंतर्गत लातेहार जिले के बालूमाथ में डिग्री महाविद्यालय बालूमाथ लातेहार के निर्माण के लिए 38,82,08,000 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। विनोबाभावे विश्वविद्यालय हजारीबाग अंतर्गत चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय सिमरिया चतरा के निर्माण के लिए 34,62,10,300 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। गोड्डा और साहेबगंज में पथ निर्माण के लिए क्रमशः 127 करोड़ और 61 करोड़ की स्वीकृति मिली है। गुमला के बानो पथ के लिए 140 करोड़ दिए गए हैं।

सदन में भ्रामक जानकारी न दें प्रदीप यादव : इरफान

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को कांग्रेस के विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने सदन में हंसडीहा अस्पताल में हुई करोडों रुपये की चोरी का मामला उठाया और सरकार से मामले के दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की। वहीं बाद में मामले पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आपत्ति जताई। उन्होंने प्रदीप यादव के आरोपों को पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन बताया। मंत्री ने कहा कि मामला सामने आते ही तुरंत कार्रवाई की गई। और मामले में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। किसी भी स्तर पर मिलीभगत का कोई प्रमाण नहीं मिला है। मंत्री ने कहा कि दोषी चाहे कोई भी हो बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने प्रदीप यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में इस तरह की भ्रामक और बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई जानकारी रखना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदीप यादव उनके वरिष्ठ नेता हैं और उनकी बातों को लोग महत्व देते हैं। ऐसे में तथ्यों पर आधारित बयान ही सदन की गरिमा के अनुरूप होता है। उन्होंने कहा कि गलत आंकड़ों से न केवल विपक्ष को मुद्दा मिलता है, बल्कि सरकार की छवि भीप्रभावित होती है।

विस में 7721 करोड़ का दूसरा अनुपूरक बजट पेश

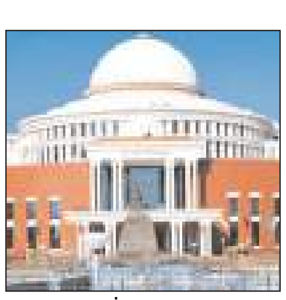

संवाददाता

सोमवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन था। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 7721 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे टहले दिन के 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान विपक्षी विधायक वेल तक पहुंच गए। यहां भी वे लगातार नारेबाजी करते रहे। विपक्ष ने सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। प्रश्नकाल के दौरान लगातार हंगामा होने पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि अगर सदस्यों को हंगामा करना ही है, तो सर्वदलीय और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का कोई अर्थ नहीं रहजाता। उन्होंने बताया कि इस तरह का आचरण सदन की कार्यवाही को प्रभावित करता है।

बाबूलाल मरांडी ने उठाया छात्रवृत्ति का मामला

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है, कई छात्र अपनी फीस भरने के लिए होटल में प्लेट धोने को मजबूर हैं, सरकार किसानों का धान नहीं खरीद रही, जिससे किसान 1500-1600 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान बेचने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी आवश्यक है। साथ ही आरोप लगाया कि शून्यकाल में उठाए गए प्रश्नों का अधिकारी उचित जवाब नहीं दे रहे। मंत्री सुदिव्य सोनू ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि छात्रवृत्ति में देरी के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि केंद्र से मिलने वाला फंड राज्य सरकार को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का कोई अर्थ नहीं रहजाता। उन्होंने बताया कि इस तरह का आचरण सदन की कार्यवाही को प्रभावित करता है। इसके बाद भी विधायक नहीं माने। इसके बाद कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तो नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धान खरीद के मामले को उठाया। यहां भी वे लगातार नारेबाजी करते रहे। विपक्ष ने सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। प्रश्नकाल के दौरान लगातार हंगामा होने पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि अगर सदस्यों को हंगामा करना ही है, तो सर्वदलीय और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का कोई अर्थ नहीं रहजाता। उन्होंने बताया कि इस तरह का आचरण सदन की कार्यवाही को प्रभावित करता है।

जेएसएससी सीजीएल 2023 का परिणाम जारी, अभ्यर्थियों ने ली राहत की सांस

संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का परिणाम सोमवार को जारी कर दिया। हाई कोर्ट से मिली अनुमति के बाद आयोग ने परिणाम अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया। लंबे इंतजार के बाद अभ्यर्थियों ने राहत की सांस ली। ज्ञात हो कि पेपर लीक प्रकरण के कारण हाई कोर्ट ने रिजल्ट जारी करने पर रोक लगा दी थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने रोक हटाते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अब कोई बाधा नहीं है। इसके बाद खररउ ने तुरंत रिजल्ट जारी कर दिया। सुबह तक अभ्यर्थियों के बीच संशय की स्थिति थी, लेकिन दोपहर में आयोग

की वेबसाइट पर परिणाम उपलब्ध करवा दिया गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पेपर लीक मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम द्वारा जारी रहेगी। जारी परिणाम में विभिन्न श्रेणियों में सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन के अनुसार सफल अभ्यर्थियों के रोल नंबर शामिल किए गए हैं. आयोग ने कुल कई सौ अभ्यर्थियों के रोल नंबर अंकित किए हैं जिन्हें अलग- अलग विभागों में नियुक्त किया जाएगा. केवल असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर, प्लानिंग असिस्टेंट, ब्लॉक सप्लाई ऑफिसर, जूनियर डायरेक्ट एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड समेत कई पदों के लिए परिणाम एक साथ जारी किया गया है.

जूलॉजिकलपार्क : पार्क प्रबंधन और वन्यजीव विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ा दी

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में रहस्यमयी संक्रमण से 10 काले हिरणों की मौत

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में पिछले छह दिनों के भीतर 10 काले हिरणों (कृष्णमृग) की रहस्यमयी मौत ने पार्क प्रबंधन और वन्यजीव विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक दिसंबर को पहले हिरण की मौत के बाद शुरू हुआ सिलसिला 6 दिसंबर तक जारी रहा। विशेषज्ञों को संदेह है कि यह रक्तस्त्रावी सेप्टिसीमिया (एचएस) यानी पाश्चुरेला प्रजाति के बैक्टीरिया से होने वाला घातक संक्रमण हो सकता है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क के उपनिदेशक डॉ. नईम अख्तर ने बताया कि कुल 18 काले हिरणों में से 10 की मौत हो चुकी है और अब सिर्फ

8 ही जीवित हैं। मृत हिरणों के नमूने रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजे गए हैं, जहां पोस्टमॉर्टम और पैथोलॉजिकल जांच जारी है। महाविद्यालय के पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा लकड़ा ने पुष्टि की कि पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और सोमवार को आगे की विस्तृत जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक लक्षण पाश्चुरेला संक्रमण की ओर संकेत करते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय रिपोर्ट आने के बाद ही लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार पाश्चुरेला बैक्टीरिया तेजी से फैलने वाला रोगजनक है, जो संक्रमित हिरणों में तेज बुखार, गले में सूजनऔर सांस लेने में अत्यधिक दिक्कत जैसे लक्षण पैदा करता है। कई मामलों में संक्रमण इतना तेज होता है कि इलाज का समय भी नहीं मिल पाता। टाटा जू प्रबंधन ने एहतियात के रूप में कृष्णमृग के बाड़ों में सैनिटाइजेशन बढ़ा दिया है, स्टाफ की आवाजाही सीमित कर दी है और सभी अन्य जानवरों की नियमित स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी है। पार्क में फिलहाल करीब 370 विभिन्न प्रजातियों के जीव मौजूद हैं, जिनमें पक्षी भी शामिल हैं।टाटा जू में मृत्युदर को देखते हुए प्रबंधनको अलर्ट मोड पर रखा गया है।

रांची के तीन बस टर्मिनल की बदलेगी सूरत, 48.72 करोड़ रुपये की परियजना शुरू

एजेंसी

रांची : राजधानी रांची के तीनों प्रमुख बस टर्मिनलों आइटीआई बस स्टैंड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का कायाकल्प अब राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के क्रम में इन सभी टर्मिनलों के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया है। इस कार्य को आरंभ करने के लिए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर निविदा निकाल दी गयी है। सुदिव्य कुमार ने कुल 48.72 करोड़ रुपये की स्वीकृति पहले ही दे चुके है। इसमें आइटीआई बस स्टैंड के लिए 24.77 करोड़, सरकारी बस डिपो के लिए 20.19 करोड़ और बिरसा मुंडा बस स्टैंड के लिए 3.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है है। मंत्री ने विभागीय सचिव को जुडको के माध्यम से निविदा के शीघ्र

निष्पादन का निर्देश दिया है। वर्तमान में यात्रियों के लिए न्यूनतम सुविधाओं वाले इस बस स्टैंड को आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा। यह तीन एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा, जिसमें 2330 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 880 वर्गमीटर प्रथम तल पर टर्मिनल भवन होगा।बसों के परिचालन के लिए 13 बस वे बनाया जाएगा। 35 बसों के लिए स्टैंड बाई पार्किंग की सुविधा रहेगी। भूतल पर ड्राइवर कैंटीन, मेंटेनेंस शेड, गार्ड रूम, स्लाइडिंग प्रवेश द्वार, वातानिकुलित प्रतीक्षालय, कार, फूड कियोस्क, परिवहन कार्यालय, कैफेटेरिया, महिला एवं पुरुष शौचालय, ऑटो और ई-रिक्शा पार्किंग की सुविधा होगी। प्रथम तल पर रेस्टोरेंट, प्रशासनिक भवन, टिकट काउंटर, 4 डॉरमेट्री, लॉकर युक्त गेस्ट रूम तथा हरियाली के लिए लैंडस्केपिंग की व्यवस्था रहेगी। प्रति दिन 416 बसों का परिचालन सुनिश्चित किया गया है। साल 1962 से 1970 के बीच बना यह डिपो अब जर्जर अवस्था में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसे 20.19 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों केअनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा।

लंबित छात्रवृत्ति पर कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने दी सफाई, केंद्र को ठहराया दोषी

रांची, संवाददाता ।

राज्य के एससी-एसटी और ओबीसी विद्यार्थियों के लंबित छात्रवृत्ति को लेकर चल रहे सियासत के बीच आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने सफाई दी है. विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए चमरा लिंडा ने इसके लिए केंद्र सरकार को दोषी माना है.उन्होंने कहा कि केन्द्रांश की राशि जो मिलनी चाहिए वो नहीं मिल पा रही है. उन्होंने कहा कि साल 2023-24 में 271 करोड़ की मांग राज्य सरकार की थी, जिसमें से बीसी कैटेगरी जो पोस्ट मैट्रिक का था, उसमें मात्र 77 करोड़ ही मिला. इसी तरह 2024-25 में जरूरत 254 करोड़ की थी, जिसमें 33 करोड़ मिला. 2025-26 में 370 करोड़ की जरूरत है और इसमें एक भी पैसा अब तक नहीं मिला है. इसी तरह प्री मैट्रिक की बात करें तो 2023-24 में 67 करोड़ के स्थान पर 07 करोड़ मिला. इसी तरह

2024-25 में 66 करोड़ के स्थान पर 12 करोड़ मिला और 2025-26 में 45 करोड़ जरूरत है अभी 4 करोड़ मिला है.

राज्य सरकार केन्द्र सरकार के समक्ष लगायेगी गुहार

छात्रवृत्ति को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य सरकार केंद्र के समक्ष सारी बातों को रखने की तैयारी में है. शीतकालीन सत्र के बाद दिल्ली जाने की बात करते हुए विभागीय मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि छात्रवृत्ति को लेकर राजनीति उचित नहीं है क्योंकि इससे छात्र प्रभावित हो रहे हैं. एक सवाल का जवाब देते हुए चमरा लिंडा ने कहा कि केंद्र और राज्य में अलग-अलग दल की सरकार होने के कारण इस तरह की परिस्थितियां आती हैं जिसके कारण छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है. उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि जो राज्य का वाजिब हक है, उसे पूरा करने में सहयोग करें. राज्य के द्वारा हर साल छात्रवृत्ति से संबंधित मांग पत्र भेजा जाता है. इसके बावजूद केंद्र के द्वारा राशि मुहैया नहीं कराई जाती है, इसके पीछे वजह क्या है, यह मुझे पता नहीं है. मगर जो आंकड़े बताते हैं उससे साफ है कि जो केंद्र के द्वारा राशि दी जानी चाहिए, वह झारखंड को नहीं मिल रही है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने मंईया योजना के कारण छात्रवृत्ति लंबित होने से इनकार करते हुए कहा कि इसके लिए बजटीय प्रावधान किया हुआ है. राज्य सरकार छात्रवृत्ति देने को तैयार है, बशर्ते की केन्द्र अपना हिस्सा दे दे.

रिम्स डॉक्टर्स क्वार्टर में चला प्रशासन का बुलडोजर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के डॉक्टर्स आवासीय कॉलोनी में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है. शनिवार को चलाये गए अभियान के बाद कल रविवार होने की वजह से अतिक्रमण हटाओ अभियान नहीं चलाया गया. आज सोमवार को फिर एक बार रांची जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और रिम्स प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी पूरी तैयारी के साथ बरियातू थाना के पीछे वाले इलाके में बनें डॉक्टर्स कॉलोनी में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान अतिक्रमणकारियों की ओर से अभियान का विरोध भी किया गया लेकिन पुलिस बल के सामने उनकी एक नहीं चली. इस बीच अलग-अलग तीन बनाकर एक लाइन से अतिक्रमण के रिम्स की जमीन पर बनाये गए झोपड़ियों को ढाह दिया गया. इस दौरान करीब आधा दर्जन

गुमटियों को भी जेसीबी से उठवा कर ले जाया गया. हाड़ कंपा देनेवाली ठंड के समय में प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध भी हो रहा है.

कोर्ट के आदेश के आलोक में चल रहा है अभियान

इस बीच बरियातू थाना प्रभारी और डीएसपी मनोज कुमार ने फिर दोहराया कि झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में रिम्स परिसर को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कराना है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा. उन्होंने बताया कि न सिर्फ रिम्स डॉक्टर्स क्वार्टर बल्कि अन्य जगहों जैसे डीआईजी मैदान, रिम्स-कोकर रोड और अन्य जगहों से भी अतिक्रमण हटाया जाएगा. उन्होंने कहा कि नोटिस देने के बाद के 72 घंटे शनिवार को ही बीत जाने के बावजूद अभी भी जिन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया है, उनके पास अभी भी मौका है और खुद डॉक्टर्स क्वार्टर को खाली कर दें. आज जिला प्रशासन द्वारा चलाये गए अतिक्रमण हटाओ अभियान में तीन जेसीबी, बड़ी संख्या में सशस्त्र पुलिस के जवान के साथ कार्यपालक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती थी.

ये है पूरा मामला

झारखंड उच्च न्यायालय रांची में दायर वाद संख्या डब्ल्यूपी (पीआईएल) 4736/2018 (ज्योति शर्मा वर्सेस राज्य सरकार एवं अन्य) में 03.12.2025 को पारित न्यायादेश में राज्य सरकार और रिम्स प्रबंधन को 72 घंटे के अंदर सभी प्रकार के अतिक्रमण से मुक्त करने का आदेश दिया था. झारखंड उच्च न्यायालय के दिये आदेश के अनुपालन में सभी अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटा लेने का निर्देश देते हुए नोटिस जारी किया था. 72 घंटे की अवधि बीते शनिवार को समाप्त होने के बाद रांची जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, रांची नगर निगम और रिम्स प्रबंधन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया. अतिक्रमण हटाने के अभियान के लिए नियुक्त कार्यपालक दंडाधिकारी साइनी तिग्गा ने उसी दिन कहा था कि आगे भी यह अभियान जारी रहेगा. रविवार को राहत के बाद आज फिर रिम्स को डॉक्टर्स कॉलोनी में कई जगहों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया. उन्होंने फिर दोहराया कि जो भी लोग अभी भी रिम्स परिसर या रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण किये बैठे है, वह तत्काल अपना अतिक्रमण हटाया लें. उन्होंने कहा कि अगर अब भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो उच्च न्यायालय, झारखण्ड में दायर वाद संख्या डब्ल्यूपी (पीआईएल) 4736/2018 (ज्योति शर्मा बनाम राज्य सरकार एवं अन्य) में दिनांक 03.12.2025 को पारित न्यायादेश तथा सरकार द्वारा झारखण्ड सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1958 (अल्थया संबंधित राज्य अधिनियम) के तहत बलपूर्वक अतिक्रमण हटा दिया जायेगा और अतिक्रमण हटाने में होने वाले समस्त व्यय संबंधित अतिक्रमणकारियों से भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूलनीय होगा. इसके अतिरिक्त कानूनी प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई भी की जाएगी.

थ्रोबॉल चैंपियनशिप : झारखंड की बेटियों ने जीता कांस्य पदक

रांची, संवाददाता ।

महाराष्ट्र के बदलापुर में हुई 35वीं जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता. टीम ने पूरे टूनामेंट में दमदार खेल दिखाया और राज्य का नाम गर्व से ऊंचा किया. झारखंड ने अपने पहले मैच में हरियाणा को 25-11, 25-07 से आसानी से हराया.

दूसरे मैच में कर्नाटक से हार मिली, लेकिन टीम ने हिम्मत नहीं हारी. इसके बाद टीम ने राजस्थान को हराकर शानदार वापसी की. क्वार्टर फाइनल में झारखंड ने छत्तीसगढ़ को 15-25, 15-25 से हराकर सेमीफाइनल तक का सफर तय किया. सेमीफाइनल में मुंबई से कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन झारखंड को 19-25, 20-25 से हार मिली, जिसके बाद टीम को कांस्य पदक मिला. झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने टीम को बधाई दी. उन्होंने कहा कि बेटियों ने बहुत अच्छा खेल दिखाया. कुछ छोटी गलतियों की वजह से स्वर्ण पदक नहीं मिल पाया, लेकिन खिलाड़ी आने वाले समय में इन अनुभवों से सीखकर जरूर स्वर्ण पदक जीतकर लाएंगी.

ओबीसी छात्रवृत्ति विवाद: मंत्री सुदिव्य की विपक्ष को चुनौती, केंद्र सरकार कर रही है सौतेला व्यवहार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में आज मंगलवार को ओबीसी के प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का मामला जोरशोर से उठा. विपक्ष के हंगामे की वजह से प्रश्नकाल की कार्यवाही भी बाधित हो गई. विपक्ष लगातार इस मसले को उठाता रहा कि छात्रों को छात्रवृत्ति न देकर राज्य सरकार उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही है. जवाब की मांग पर अड़ा विपक्ष वेल में हंगामा करता रहा. इसी दौरान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि इस हालात के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेवार है. साथ ही स्पीकर के माध्यम से सदन में विपक्ष को चुनौती दी कि उनके आंकड़े को गलत साबित करके दिखाएं.

ओबीसी पोस्ट मैट्रिक की बकाया राशि का विवरण

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पोस्ट मैट्रिक ओबीसी छात्रों के लिए साल 2023-24 में 271.37 करोड़ की मांग रखी गई थी. इसकी तुलना में केंद्र से सिर्फ 77.31 करोड़ रु. मिले. इसी तरह साल 2024-25 में 253.21 करोड़ की मांग की गई. इसकी जगह महज 33.57 करोड़ ही मिले. साल 2025-26 में 370.17 करोड़ की मांग की गई. लेकिन इसके एवज में एक पैसा भी नहीं मिला.

ओबीसी प्री-मैट्रिक की बकाया राशि का विवरण

मंत्री ने दावा किया कि इसी तरह ओबीसी से जुड़े प्री-मैट्रिक छात्रों के साथ भी केंद्र ने सौतेला व्यवहाल अपनाया है. उन्होंने कहा कि साल 2023-24 में प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप मद में 67.88 करोड़ की मांग की गई थी. बदले में सिर्फ 7.35 करोड़ रु मिले. इसी तरह साल 2024-25 में 66.14 करोड़ के बदले महज 11.61 करोड़ मिले. जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 45.91 करोड़ की मांग रखी गई लेकिन सिर्फ 3.95 करोड़ रु. मिले. मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या अब ये लोग केंद्र सरकार से पूछेंगे कि झारखंड के साथ ऐसा क्यों हो रहा है. उन्होंने कहा कि वे इस डाटा के साथ केंद्र सरकार के समक्ष जाने को तैयार हैं. ओबीसी छात्रों के स्कॉलरशिप का हवाला देकर घड़ियालू आंसू बहा रहे विपक्ष को अपना स्टैंड क्लियर करना चाहिए.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : झारखंड की लगातार सातवीं जीत, राजस्थान को 36 रन से हराया

रांची। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम (ग्राउंड ए) में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मुकाबले में झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हराकर अपनी लगातार सातवीं जीत दर्ज की. इस जीत के साथ झारखंड अपनी ग्रुप तालिका में पहले स्थान पर रहा और अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड ने शानदार खेल दिखाया और 20 ओवर में 5 विकेट पर 215 रन बनाए. विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 69 रन बनाए .कप्तान कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन जोड़े .रॉबिन मिंज ने तेज खेलते हुए 27 गेंदों पर 58 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 179 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. झारखंड के गेंदबाजों में सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लिए. विराट सिंह को उनकी तेज और बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

प्रश्नकाल की कार्यवाही हंगामे की भेट चढ़ी, विपक्ष ने धान की एमएसपी और छात्रवृत्ति का मामला उठाया

रांची, संवाददाता ।

शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई. कार्यवाही शुरू होते ही मुख्य विपक्षी दल भाजपा के विधायक वेल में आ गये और धान की बढ़ी हुई एमएसपी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिलने का मामला उठाते हुए सरकार को घेरा. जवाब में सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में आ गये. हालात को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सभा की कार्यवाही 12:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया. जवाब में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि आज ओबीसी के हक की बात कर रहे हैं, जबकि इन्हीं लोगों की वजह से ओबीसी का आरक्षण कम हो गया. वहीं संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि चलते सत्र में इन मामलों पर चर्चा की जा सकती है.

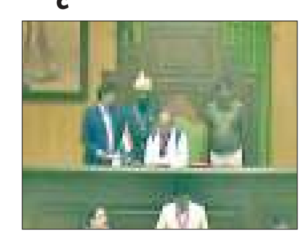

फिर भी विपक्ष का सख्त रुख बरकरार रहा. इसी बीच सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में आ गये. लिहाजा, स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने सभा की कार्यवाही 12:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. बता दें कि 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन की ओर से घोषणा पत्र में इस बात का जिक्र किया गया था कि सत्ता में आने पर धान की कीमत प्रति क्विंटल 3200 रुपए दी जाएगी. हालांकि अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सरकार धान का समर्थन मूल्य कितना तय करेगी. वहीं ओबीसी छात्रों को लंबे समय से स्कॉलरशिप नहीं मिल रही है. इससे उनकी आगे की पढ़ाई प्रभावित भी हो रही है.

मंत्री इरफान अंसारी ने कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव को दी चुनौती

रांची, संवाददाता ।

शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन जहां एक तरफ विपक्ष सरकार पर निशाना साधता रहा, वहीं दूसरी ओर सत्तारूढ़ कांग्रेस के दो बड़े नेता उलझते दिखे. दरअसल, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मामले में दुमका के हंसडीहा में सीसीएल के सीएसआर फंड से बने अस्पताल में हुए चोरी का मामला उठाया था. इस दौरान प्रदीप यादव ने लगभग 25 करोड़ की चोरी होने की आशंका जताई. साथ ही विभाग के जवाब पर नाराजगी जताते हुए इसपर संज्ञान लेने का आग्रह किया. प्रदीप यादव की इस अपील को स्पीकर ने स्वीकार करते हुए इसे सदन के संज्ञान में लाने की अनुमति प्रदान की.

प्रदीप यादव प्रमाणित करें, नहीं तो माफी मांगें: इरफान अंसारी

प्रदीप यादव के द्वारा सदन में हंसडीहा

स्वास्थ्य केंद्र में हुए 25 करोड़ के सामान की चोरी को गलत बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसे प्रमाणित करने को कहा है. विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री अपने ही पार्टी के विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पर जमकर बरसते नजर आए. उन्होंने कहा कि चोरी जरूर हुई है, मगर यह एक करोड़ के करीब है. ऐसे में प्रदीप यादव ने जिस तरह से 25 करोड़ की चोरी की बात कही है, उसे या तो प्रमाणित करें नहीं तो माफी मांगें. मंत्री इरफान अंसारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रदीप यादव हमारे सीएलपी हैं. उन्हें पहले हमें बताना चाहिए था, मंत्री ने कहा कि जिस तरह से 25 करोड़ की बात कही गई. उससे विभाग की छवि खराब हो रही है. उन्होंने हंसडीहा स्वास्थ्य केंद्र में हुई चोरी को सही बताया. ऐसे में प्रदीप यादव को प्रूफ करना होगा कि कैसे 25 करोड़ के सामान की चोरी हो गई, यदि कोई बात थी तो उन्हें हमें बताना चाहिए था.

जांचकर दोषी पर होगी कार्रवाई: इरफान अंसारी

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि दुमका सिविल सर्जन से मिली जांच रिपोर्ट के अनुसार हंसडीहा स्वास्थ्य केंद्र के कोविड अस्पताल से ऑक्सीजन पाइपलाइन, ऑक्सीजन मॉनिटर 50 पीस, लगभग 20 एयर कंडीशनर जैसे सामान की चोरी हुई है. उन्होंने कहा कि इस मामले में एफआईआर की गई है. उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा.

ताइक्वांडो कलर बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट में 123 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

रांची, संवाददाता ।

एम.बी. ताइक्वांडो अकादमी, बुंडू में झारखंड यूनाइटेड ताइक्वांडो मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन की ओर से एक दिवसीय ताइक्वांडो कलर बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में 123 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया. ग्रेडिंग प्रक्रिया एसोसिएशन के सचिव शकील अंसारी और अध्यक्ष मोहम्मद जमील अंसारी की देखरेख में पूरी की गई. ग्रेडिंग देने वाले सीनियर कोचों में जयपाल महतो, मनीषा मुंडा, खुशी तिर्की, मोहित मुंडा, साजिद खान, देवानंद दिलीप, कहकंशा आफरीन और अफताब अंसारी शामिल थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेएमएम बुंडू प्रखंड के उपाध्यक्ष जमील अंसारी, एम.बी. स्कूल के प्रिंसिपल अबू अब्बास अली और वाइस प्रिंसिपल जाहिदा कौसर मौजूद रहे. विशिष्ट अतिथि के तौर पर असरफ अंसारी और मोहसिन अनवर कार्यक्रम में शामिल हुए. सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की और ताइक्वांडो खिलाड़ियों को भविष्य में खेल किट उपलब्ध कराने की बात कही. खिलाड़ियों का परिणाम 15 दिनों के अंदर घोषित किया जाएगा. पास होने वाले खिलाड़ियों को नया बेल्ट और सर्टिफिकेट दिया जाएगा.

सदन में उठा एस्टिमेट से बहुत कम दर पर ठेका लेने का मामला, गुणवत्ता पर पड़ता है असर, न्यूनतम दर 10 प्रतिशत लागू करने की मांग

रांची, संवाददाता ।

सदन में ध्यानाकर्षण के दौरान झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने निविदाओं में न्यूनतम दर तय करने की मांग रखी. उन्होंने कहा कि प्राक्कलन की तुलना में ज्यादा से ज्यादा 10 प्रतिशत तक कम दर रखी जानी चाहिए. क्योंकि टेंडर लेने के लिए 40-50 प्रतिशत तक रेट कम कर दिया जाता है. ऐसे में जिनको टेंडर मिलता है वे काम पूरा नहीं कर पाते. जो थोड़ा बहुत काम करते हैं, उसकी गुणवत्ता भी बहुत खराब रहती है. लिहाजा, इस गंभीर विषय पर सरकार को गौर करना चाहिए.

पूर्व में 10 प्रतिशत से नीचे दर वाले ठेके नहीं थे मान्य

मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि झारखंड लोक निर्माण संहिता - 2012 में संकल्प संख्या - प.नि.नि-विविध-06-33-2007 (अंश-1)2145(5), दिनांक 9-9-2020 से जरिए व्यापक संशोधन किया गया है. इसके तहत झारखंड पीडब्ल्यूडी कोड की धारा 163(ए) को निरस्त कर दिया गया है, जिसमें 10 प्रतिशत से नीचे दर वाली निविदाएं मान्य नहीं होती थी. लेकिन उसे भी

बदल दिया गया.

एडिशनल परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जब्त करने का है प्रावधान

जवाब में प्रभारी मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि गुणवत्ता प्रभावित ना हो इसके लिए एडिशनल परफॉर्मेंस सिक्योरिटी ली जाती है. राज्यहित में इस व्यवस्था को लागू किया गया है. इस पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण है, जिससे पता चलता है कि कम रेट पर काम लेकर काम को बीच में ही छोड़ दिया जाता है. इसलिए न्यूनतम 10 प्रतिशत तक की निविदा को परमिट करना चाहिए. साथ ही तय होना चाहिए कि टेंडर मिलते ही एक तय समय के भीतर काम शुरू हो जाए. जवाब में प्रभारी मंत्री ने कहा कि पूरे देश में एकमात्र ओडिशा ऐसा राज्य है, जहां टेंडर के प्राक्कलन की तुलना में अधिकतम 15 प्रतिशत कम रेट डाला जा सकता है. अगर कोई टेंडर लेकर काम नहीं करता है तो उसके खिलाफ टेंडर शर्तों के हिसाब से कार्रवाई करने का प्रावधान है. यदि निर्धारित सीमा से कम जा रहे हैं तो एक सिक्योरिटी राशि लेकर रखी जाती है। ताकि ठेकेदार निविदा की शर्तों का पालन करे. ऐसा नहीं होने पर एडिशनल परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जब्त कर ली जाती है. सरयू राय ने कहा कि राशि जब्त करने भर से काम की गुणवत्ता कैसे सुधरेगी. इससे पता चलता है कि विभाग के अधिकारी ठेकेदारों से मिलीभगत करते हैं.

अलबर्ट एक्का चौक के पास अस्थायी आश्रय गृह तैयार, ठंड से मिलेगी राहत

रांची, संवाददाता ।

कड़ाके की ठंड से परेशान, बेघर और फुटपाथ पर रात गुजारने वाले लोगों को राहत देने के लिए रांची नगर निगम ने एक बड़ी पहल की है. प्रशासक सुशांत गौरव के निर्देश पर अलबर्ट एक्का चौक स्थित पार्किंग परिसर के पास 50 बेड का अस्थायी आश्रय गृह तैयार कर दिया गया है. इस आश्रय गृह में 30 बेड पुरुषों के लिए और 20 बेड महिलाओं के लिए बनाए गए हैं. ठंड से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे परिसर में मोटे पर्दे लगाए गए हैं, जबकि कंबल, गद्दे, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और हीटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग दरवाजे बनाए गए हैं.

बेसहारा लोगों के लिए अस्थायी आश्रय

नगर निगम की ओर से इस ठंड में बेघर और सहायता विहीन लोगों की मदद के लिए विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है. टीम शहर के विभिन्न हिस्सों, मुख्य सड़कों, बाजारों, बस स्टैंड क्षेत्रों और फुटपाथों में घूम घूमकर ऐसे लोगों को चिन्हित कर रही है, जिन्हें तुरंत आश्रय की आवश्यकता है. इन चिन्हित लोगों को निकटतम आश्रय गृहों में सुरक्षित स्थान प्रदान कराया जा रहा है. निगम ने अपील की है कि कोई भी व्यक्ति सड़क किनारे या किसी खुले स्थान पर ठंड में असहाय दिखे, तो तुरंत नगर निगम हेल्पलाइन 1800-570-1235 पर सूचना दें, ताकि समय रहते उसकी मदद की जा सके.

अलाव की व्यवस्था

इधर जिला प्रशासन भी शहर में बढ़ती ठंड को देखते हुए सक्रिय हो गया है. राजधानी रांची के सभी चौक-चौराहों, मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की जा रही है. प्रशासनिक टीम लगातार अलाव स्थलों पर लकड़ी उपलब्ध करा रही है, ताकि जरूरतमंद लोग रात के समय ठंड से राहत पा सकें. फुटपाथ पर रहने और सोने वाले लोगों के लिए निगरानी भी बढ़ाई गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण किसी प्रकार की परेशानी या जोखिम में न आए.

सीसीटीवी से की जा रही निगरानी

प्रशासन की पहल सिर्फ अलाव तक सीमित नहीं है. शहर के अलग-अलग हिस्सों में स्थापित अस्थायी आश्रय गृहों में हीटर, पर्याप्त रोशनी, गद्दे-कंबल, शौचालय और पेयजल जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं दी गई हैं. इन आश्रय गृहों में सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं, जिससे निगरानी और प्रबंधन और अधिक प्रभावी तथा सुरक्षित हो सके.

प्रशासन की शहरवासियों से सहयोग की अपील

ठंड लगातार बढ़ रही है और न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी है. ऐसे में रांची नगर निगम और जिला प्रशासन की यह संयुक्त पहल सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड के कारण किसी कठिनाई या खतरे का सामना न कर सके. शहरवासियों से भी सहयोग की अपील की गई है कि वे ऐसे लोगों की पहचान करने और सूचना देने में प्रशासन की मदद करें. कुल मिलाकर, इन प्रयासों का मकसद यही है कि कड़ाके की ठंड में रांची का कोई भी व्यक्ति खुले में ठिठुरने को मजबूर न हो और सभी को सुरक्षित आश्रय और सुविधा मिल सके.

प्रथम धनबाद जिला लिटिल चैम्स योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में टुंडी के तीन बच्चों ने अपने-अपने आयु वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त कर टुंडी का मान बढ़ाया

संवाददाता । रांची

आज दी लाइट हाउस रिसोर्ट में प्रथम धनबाद जिला लिटिल चैम्पस योगासन स्पोर्ट प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया जिसमें जिले भर के 10 वर्ष से कम आयु वर्ग के लगभग 175 बच्चों ने भाग लिया।

जिसमें टुंडी की आराध्या आनंद 9 साल से कम आयु वर्ग में, गुलाल सिंह 10 साल से कम आयु वर्ग में तथा 7 साल से कम आयु वर्ग में अंशुमान मौर्य ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया और वहीं आलोक मौर्य सुहानी सिंह, पीहू कुमारी, अनुपम देव अपने-अपने आयु वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किये। इस सुदूरवर्ती क्षेत्र के योग खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर परचम लहराया इस स्वर्णिम उपलब्धि से टुंडी के खेल प्रेमी काफी उत्साहित हैं टुंडी वासियों के लिए गौरव की बात है। वही कोच मनोज कुशवाहा ने बताया कि आराध्या आनंद पिछले 4 वर्षों से अपने आयु वर्ग में लगातार स्वर्ण पदक प्राप्त करते आ रही है तथा इस बार के आयोजन में दो और गोल्ड मेडल आए। मेरे योग केंद्र से इस वर्ष जूनियर वर्ग में आयुष बर्मन एक योग खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिनिधित्व कर चुका है। संसाधन के कमी के बावजूद भी हम कोशिश करते हैं और जिसका परिणाम गोल्ड मेडल के रूप में प्राप्त है। कोच मनोज कुशवाहा आदर्श योग ध्यान केंद्र टुंडी के नाम से निशुल्क योग कक्षाएं चलते हैं।

पुंदाग राजलक्ष्मी नगर के लोग 10 वर्षो से टैक्स भरते आ रहे हैं

सड़कों और नालियों की हालत इन दोनों बुरे दौर से गुजर रही है

संवाददाता । रांची

रांची के पुंदाग स्थित राजलक्ष्मी नगर की सड़कों और नालियों की हालत इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। टूटी सड़कों, गहरे गड्ढों और बहती नालियों की वजह से यहां के स्थानीय लोग रोज परेशानियों का सामना कर रहे हैं। बरसात के मौसम में बारिश के बाद तो स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, क्योंकि पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते और लोग अक्सर ठोकर खाकर गिर जाते हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, अब तक कई लोग यहां गंभीर चोटें झेल चुके हैं—किसी के पैर में गहरी चोट तो कोई गिरकर फ्रैक्चर तक का शिकार हुआ है। यह सिर्फ असुविधा का नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन चुका है। सांसद और विधायक से गुहारऐसी परिस्थिति में नगर निगम, स्थानीय पार्षद, विधायक और राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है कि वे तुरंत कार्रवाई करें। सबसे पहले सड़कों की मरम्मत और नालियों की सफाई व ढलाई कराई जाए ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके। इसके साथ ही क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और मेंटेनेंस की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। संजय यादव ने बताया कि राजलक्ष्मी नगर के लोग दस वर्षों से टैक्स भरते आ रहे हैं, इसलिए यह उनका हक है कि उन्हें बुनियादी सुविधाएँ दी जाएँ। राज्य सरकार और नगरपालिका को मिलकर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। स्थानीय निवासी शिव पूजन ने बताया कि यह समय है कि प्रशासन जागे और जनता की आवाज सुने। पुंदाग के लोग सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन के हकदार हैं।

जेसीआई रांची के चुनाव संपन्न, अभिषेक जैन बने अध्यक्ष

संवाददाता । रांची

रांची : जूनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) रांची की नई कार्यकारिणी टीम-2026 का गठन सोमवार को संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के दौरान अभिषेक जैन को सर्वसम्मति से नव-निर्वाचित अध्यक्ष चुना गया, जबकि साकेत अग्रवाल को सचिव नियुक्त किया गया। यह जानकारी संस्था के प्रवक्ता आदित्य जालान ने दी। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद के लिए आदित्य जालान, अनुभव अग्रवाल, अनिमेष निखिल, रवि आनंद, निशांत मोदी और निखिल अग्रवाल का चयन किया गया। सह सचिव मनदीप सिंह और कोषाध्यक्ष के पद पर ऋषभ जैन का चयन हुआ। निदेशक मंडल में ऋषभ जालान, अमन सिंघानिया, निखिल मोदी, ऋषभ छापड़िया, नितिन पोद्दार, उदित तुलस्यान, अमन पोद्दार, अग्निश मित्रा, किशन अग्रवाल, अनीश जैन, मयंक अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, दीपक कुमार पटेल, रविकांत समोटा, अभिषेक ननोर्ली, शुभम बुधिया, सृजन हेतमसरिया एवं अंकित मोदी को शामिल किया गया है। चुनाव प्रक्रिया में मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी पूर्व अध्यक्ष विक्रम चौधरी, अमित खोवाल और गौरवअग्रवाल ने निभाई।

वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का मजबूत हिस्सा भाजपा ओछी राजनीति कर रही है

RSS 52 वर्षों तक जन गण मन राष्ट्रगान और तिरंगा का बहिष्कार किया : कैलाश यादव

संवाददाता । रांची

रांचीः प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने प्रेस बयान जारी कर बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयं संघ पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वंदे मातरम गीत पर राष्ट्रभक्ति के नाम पर बीजेपी और संघ ओछी राजनीति कर रही है !

विदित है कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत एकता का प्रतीक संदेश है यह स्लोगन क्रांतिकारी साथियों को एकत्रित करने एवं भावुक माहौल बनाने को जोड़ता है !

ज्ञातव्य है वंदे मातरम्‌गीत की शुरूआत एकीकृत बिहार का हिस्सा असम बंगाल और उड़ीसा के लोगों के बीच बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय सन 1870 में लिखा और इसे पहली बार 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने गाया था जो स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था ! जिसकी आधिकारिक स्वीकृति 24 जनवरी 1950 में संविधान सभा द्वारा किया गया था !

यादव ने कहा कि राजद का स्पष्ट कहना है कि राष्ट्रीय स्वयं संघ हिंदू महासभा के नाम से राष्ट्रगान जन गण मन राष्ट्रगान और तिरंगा का अपमान कर बहिष्कार किया था और संघ कार्यालय में तिरंगा झंडा नहीं फहराया था !

देश का आजादी में भाजपा/संघी विचारधारा वाले हिंदू महासभा के लोगों का कोई योगदान नहीं था और अब वर्षों बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‌के समर्थक बन कर अपनी फर्जी राष्ट्रभक्ति दिखाने का नाटक कर रही है ! भाजपा का यह कृत सिर्फ बंगाल और असम चुनाव को देखते हुए हिंदू मुस्लिम ध्रुवीकरण राजनीति का मार्ग प्रशस्त करने का नाकाम कोशिश कर रही है !

जमीअतुल हवारीन एवं जमीअतुल कुरैश के संयुक्त तत्वाधान में कुरैश एकेडमी में एस आई आर से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया।

संवाददाता । रांची

जमीअतुल हवारीन झारखंड के मीडिया प्रभारी वहाब दानिश एवं जमीअतुल कुरैश के नवाजिश रजा के संयुक्त नेतृत्व में लोअर बाजार स्थित कुरैश एकेडमी में एस आईआर से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में लोअर बाजार क्षेत्र से काफी संख्या में महिला एवं पुरुष भाग लिए।कार्यक्रम में एस आईआर से संबंधित निम्न एजेंडे पर आम जनता को प्रोजेक्टर के माध्यम से समझाया गया एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों में जागरूकता लाने हेतु कार्यक्रम किया गया ।लोगों को निम्न बिंदुओं से अवगत कराते हुए 2003 से संबंधित बातें बताते हुए अपने-अपने क्षेत्र के बी एल ओ से संपर्क कर अपना अपना नाम एस आईआर की सूची में दर्ज करने का अनुरोध किया गया कार्यक्रम के माध्यम से निम्न बातों से आम जनता को अवगत कराया गया

?? रक्क्रक्या है?

?? कौन कौन से कागजात चाहिए?

?? वोटर लिस्ट में नाम कटने से कैसे बचा जाये?

?? इछड के द्वारा वोटर लिस्ट की मैपिंग

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वहाब दानिश ,नवाजिश राजा के साथ-साध मोहम्मद शमीम, शब्बीर कुरैशी ,इफ्तिखार आलम ,इब्राहीम कुरैशी ,असलम कुरैशी ,फिरोज कुरैशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ।जमीअतुल हवारीन एवं जमीअतुल कुरैश के संयुक्त तत्वाधान में कुरैश एकेडमी में एस आई आर से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया।

जमीअतुल हवारीन झारखंड के मीडिया प्रभारी वहाब दानिश एवं जमीअतुल कुरैश के नवाजिश रजा के संयुक्त नेतृत्व में लोअर बाजार स्थित कुरैश एकेडमी में एस आईआर से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में लोअर बाजार क्षेत्र से काफी संख्या में महिला एवं पुरुष भाग लिए।कार्यक्रम में एस आईआर से संबंधित निम्न एजेंडे पर आम जनता को प्रोजेक्टर के माध्यम से समझाया गया एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों में जागरूकता लाने हेतु कार्यक्रम किया गया ।लोगों को निम्न बिंदुओं से अवगत कराते हुए 2003 से संबंधित बातें बताते हुए अपने-अपने क्षेत्र के बी एल ओ से संपर्क कर अपना अपना नाम एस आईआर की सूची में दर्ज करने का अनुरोध किया गया कार्यक्रम के माध्यम से निम्न बातों से आम जनता को अवगत कराया गया

?? रक्क्रक्या है?

?? कौन कौन से कागजात चाहिए?

?? वोटर लिस्ट में नाम कटने से कैसे बचा जाये?

?? इछड के द्वारा वोटर लिस्ट की मैपिंग

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वहाब दानिश ,नवाजिश राजा के साथ-साध मोहम्मद शमीम, शब्बीर कुरैशी ,इफ्तिखार आलम ,इब्राहीम कुरैशी ,असलम कुरैशी ,फिरोज कुरैशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

पुर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने उठाई आवाज

दो साल से छात्रवृत्ति बंद, बच्चे होटल में प्लेट धोने को मजबूर, सरकार दे जवाब

संवाददाताी

रांची : विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जिले में दो वर्ष से छात्रवृत्ति नहीं मिलने की गंभीर समस्या को सदन और जनता के बीच मजबूती से उठाया है। उन्होंने बताया कि हजारों गरीब व जरूरतमंद छात्र, जिन्हें सरकारी सहायता के भरोसे अपनी पढ़ाई जारी रखनी थी, आज आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। छात्रवृत्ति बंद रहने के कारण कई छात्र स्कूल- कॉलेज छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं, जबकि कुछ बच्चे पेट भरने के लिए होटलों में प्लेट धोने और मजदूरी करने तक को विवश हैं। विधायक मरांडी ने इस स्थिति को 'शिक्षा व्यवस्था की विफलता और सरकार की लापरवाही' करार देते हुए कड़ा सवाल उठाया कि आखिर दो वर्षों से छात्रवृत्ति योजना ठप

क्यों पड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ घोषणाओं में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्तर पर गरीब छात्रों की तकलीफों को कोई सुनने वाला नहीं है।मरांडी ने सरकार से स्पष्ट जवाब माँगते हुए कहा कि यदि समय पर छात्रवृत्ति मिल जाती तो बच्चों को पढ़ाई छोड़कर काम पर नहीं जाना पड़ता। उन्होंने अधिकारियों को भी चेताया कि छात्र हित से जुड़े मामलों में देरी किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी वहीं स्थानीय अभिभावकों ने भी विधायक

की पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई हैकि सरकार अब जल्द से जल्द छात्रवृत्ति वितरण की प्रक्रियाओं को तेज करेगी।

ब्रीफ न्यूज

सांसद कालीचरण सिंह के प्रयास से सिमरिया में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण को मिली मंजूरी

संवाददाता ।

चतरा : सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए लंबे समय से चली आ रही उच्च शिक्षा की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। लोकप्रिय सांसद कालीचरण सिंह के निरंतर प्रयासों और पहल का परिणाम है कि झारखंड सरकार ने सिमरिया में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। यह फैसला क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। ज्ञात हो कि सांसद श्री सिंह ने 10 सितंबर 2025 को झारखंड सरकार के उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर सिमरिया विधानसभा क्षेत्र की शैक्षणिक पिछड़ी स्थिति से अवगत कराया था। लगभग 3 लाख आबादी और 7 प्रखंडों वाले इस क्षेत्र में अब तक कोई समुचित सरकारी महाविद्यालय नहीं था। उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थी हजारीबाग (60 किमी), चतरा मुख्यालय (40 किमी) और रांची (150 किमी) जैसे दूरस्थ जिलों की ओर पलायन करते थे। हर वर्षलगभग 10,000 विद्यार्थी स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए आवेदन करते हैं, लेकिन संसाधनों और संस्थानों की कमी के कारण अधिकांश छात्र उच्च शिक्षा सेवंचित रह जाते थे।

स्वास्थ्य मिशन रांची के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता ।

रांचीःदिनांकः 08/11/25, दिनः सोमवार को झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन उदय मेमोरियल बी.एड कॉलेज,नेवरी विकास में किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 250 लोगो का निःशुल्क ब्लड प्रेशर,शुगर, जेनरल रोग जांच,नेत्र रोग जांच,दंत रोग जांच,हियरिंग (सुनने की) जांच किया गया। इस पहल का उद्देश्य शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। ताकि कोई भी व्यक्ति बुनियादी स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान से वंचित ना रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के अध्यक्ष संतोष सोनी,का सहयोग रहा ।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बरियातू स्थित पेनिसिया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ,सुरभि,दीपक मोदी,निर्मला तिर्की,तारा परवीन,ए एस जी आई हॉस्पिटल के डॉ रियाज,अभिषेक कुमार,शाफीन, हियर जैप क्लीनिक के निखिल कुमार,सुशांत शेखर,क्वालिटी डेंटल क्लीनिक के डायरेक्टर डॉ नेहा प्रसाद,रोग केयर डायग्नोस्टिक के शमशाद अंसारी,बिट्टू ऑप्टिकल के शाहनवाज नैयर एवं उदय मेमोरियल बी एड कॉलेज के चेयरमैन संतोष महतो, डायरेक्टर राजेश कंडेरवार,प्रिंसिपल डॉ चंदन कुमार पंकज,डॉ मनोज कुमार राणा इत्यादि का सहयोग रहा।

सम्मानित किये गए राज सिन्हा एबीकेएम ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता ।

रांची। झारखंड के उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित राज सिन्हा के सम्मान में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (रांची, झारखंड) ने सम्मान समारोह आयोजित किया। मौके पर माननीय विधायक ने सबों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसाधारण की सेवा के लिए वे सदैव उपलब्ध हैं। श्री सिन्हा ने खुद को आवाम की आवाज घोषित किया। मौके पर महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अधयक्ष मुकेश कुमार व महासभा के प्रदेश अधयक्ष डॉ सी बी सहाय ने भी समाज को बुलंदियों पर ले जाने की बात कही। इस अवसर पर महासभा के महामंत्री सुशील सिन्हा, राजेश सिन्हा, अनिल शंकर, राजेश शरण, सत्या सिन्हा, प्रीति सिन्हा, नीतू सिन्हा, स्मिता, संगीता लाल, उमा सिन्हा, निर्मला कर्ण, पवन किशोर, रवि कुमार, सुबोध, अजय सिन्हा, सीमा श्रीवास्तव, मनीष सिन्हा, सुमित बरियार, सदन सिन्हा, शिखा प्रिया समेत महासभा के कई सदस्य उपस्थित थे।

श्रवण जालान के ठिकानों पर एसीबी का रेड

रांची : झारखंड एसीबी की टीम एक बार फिर एक्शन मोड में है. एजेंसी ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए चर्चित व्यवसाई श्रवण जालान के घर और ऑफिस समेत अन्य ठिकानों पर रेड की है. एसीबी ने अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित श्रणव जालान के राणी सती प्लाई एंड डेकोर नाम के प्रतिष्ठान पर भी रेड की है. जिस मामले में श्रवण जालान के ठिकानों पर रेड हुई है, वह कअर विनय चौबे के शराब घोटाला केस से जुड़ा है. एसीबी को इस बात की जानकारी मिली है कि विनय चौबे ने अपनी अवैध कमाई का एक बड़ा हिस्सा श्रवण जालान के माध्यम से अलग-अलग जगहों पर इन्वेस्ट किया है. इससे पहले

एसीबी की टीम ने रविवार को विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता से 10 घंटे तक पूछताछ की थी. इसके साथ ही एजेंसी ने विनय चौबे के करीबी विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह की तलाश में बिहार के लखीसराय में भी छापेमारी की थी. सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड मिल सकते हैं, जो आगे की जांच में अहम साबित होंगे। वहीं एसीबी की टीम पूरे मामले में और भी ठिकानों कीजांच कर सकती है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुआ समीक्षा बैठक का आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त,रामगढ़ श्री आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक बी सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद के द्वारा उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को स्वास्थ्य विभाग की पूर्व में हुई समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि से मरीज को रेफर कर निजी अस्पतालों में स्वयं मरीज का इलाज करने वाले चिकित्सकों संबंधित कोई भी मामला प्रकाश में आने पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल

सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मातृत्व स्वास्थ्य व प्रसव संबंधित सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीज को लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मातृत्व स्वास्थ्य अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व जांच स समय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संस्थागत प्रसव संबंधित मामलों की समीक्षा में क्रम में उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में हो रहे प्रसव आदि की जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं को और भी प्रभावी तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं अथवा बच्चों की मृत्यु से संबंधित मामलों की गंभीरता पूर्वक जांच सुनिश्चित करने एवं संबंधित मामलों में ऑटोप्सी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान प्रसव पूर्व जांच के दौरान विशेष ध्यान देते हुए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में 247 आकस्मिक सेवाएं, प्रसव आदि हेतु चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कुपोषित बच्चों के इलाज हेतु उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने वर्तमान में एमटीसी केंद्र के माध्यम से कुपोषित बच्चों के इलाज की केंद्रवार जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने तथा समाज कल्याण विभाग से समन्वय करते हुए कुपोषित बच्चों का इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य केंद्रों आदि में मरीजों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने, ब्लड बैंक ले सफल संचालन को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों, चिकित्सा पदाधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

स्टेडियम निर्माण कार्य को शीघ्र चालू किया जाए, जिससे खिलाड़ियों को नया मंच मिले : ममता देवी

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ जिला अंतर्गत जिला मैदान (सिदो-कान्हू) में निमार्णाधीन इंडोर स्टेडियम के अधूरे पड़े कार्य को लेकर रामगढ़ विधानसभा की विधायक ममता देवी ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग प्रमंडल, रामगढ़ के अंतर्गत बन रहा यह आधुनिक इंडोर स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं एवं खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा खेल केंद्र साबित हो सकता है। स्टेडियम का निर्माण लगभग 80% पूरा हो चुका है, किंतु शेष कार्य लम्बे समय से बंद पड़ा हुआ है, जिसके कारण खेल सुविधाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। विधायक ने बताया कि यदि इस स्टेडियम का निर्माण शीघ्र पूर्ण करा लिया जाए तो रामगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, इनडोर खेल आयोजन, जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं एवं राज्यस्तरीय कार्यक्रमों के संचालन का अवसर प्राप्त होगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन

मिलेगा एवं खेल के क्षेत्र में रामगढ़ की पहचान और अधिक मजबूत होगी।उन्होंने शून्यकाल के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आग्रह किया कि संबंधित विभाग तत्काल पहल कर अधर में लटक रहे निर्माण कार्य को पूरा करवाए। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि स्टेडियम परिसर में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद सिदो-कान्हू जी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ हमारे इतिहास एवं क्रांतिकारियों के योगदान से परिचित हों और उनमें प्रेरणा का संचार हो। विधायक ममता देवी ने कहा कि सिदोझकान्हू झारखंड की धरती के वीर सपूत थे, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल, जमीन की लड़ाई में अपनी जान न्यौछावर कर दी। इसलिए उनके नाम पर बने इस स्टेडियम का पूर्ण निर्माण तथा प्रतिमा स्थापना न केवल क्षेत्र के लिए गर्व का विषय होगा, बल्कि यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान का प्रतीक भी होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार व संबंधित विभाग इस मामले पर शीघ्र कार्रवाई कर कार्य पूरा करवाएँ, ताकि जिले के हजारों खिलाड़ी लाभान्वित हो सकें और रामगढ़ खेल के क्षेत्र में अग्रसर हो। जिसकी जानकारी मीडिया चेयरमैन सह जिला प्रवक्ता सुधीर मंगलेश ने दिया।

उत्पाद विभाग द्वारा चलाया गया छापामारी अभियान

रामगढ़, संवाददाता

सोमवार को सहायक आयुक्त उत्पाद श्रीमती बिमला लकड़ा के निदेशानुसार उत्पाद कार्यालय रामगढ़ द्वारा गोला थाना अंतर्गत कामता गांव में सघन एवं व्यापक उत्पाद छापामारी की गयी। जहां से विभिन्न ब्रांड के 69 बोतल अवैध विदेशी शराब हुए अभियुक्त मनीष कुमार को उत्पाद अधिनियम की धारा 47(a), 47(e), 52(d) के तहत गिरफ्तार किया गया। जबकि उसके मामा हितलाल साव, संतोष साव एवं पंचम साव के घर पर छापामारी कर 100 लीटर महुआ शराब एवं 1000 किलोग्राम जावा महुआ जप्त करते हुए अन्य सभी अभियुक्त के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के विभिन्न धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया गया। उक्त छापामारी अभियान अवर निरीक्षक उत्पाद कांग्रेश कुमार के नेतृत्व में अवर निरीक्षक उत्पाद अमित मड़की एवं प्रतिनियुक्त गृहरक्षक जवान के सहयोग से संपन्न किया गया।

उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कोडरमा, संवाददाता

जिला उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की टास्क फोर्स एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रमुख इंडिकेटरों यथा राज्य रैंकिंग, प्रोजेक्ट रेल आकलन, पीएम पोषण (मिड-डे मील), लंबित मामलों का निष्पादन, शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति, स्मार्ट क्लास, आईसीटी शिक्षक प्रशिक्षण, बच्चों का नामांकन, हेल्थ कैंप, वोकेशन कोर्स, सिलेबस कवरेज, अनीमिया मुक्त भारत, ईको क्लब तथा चेतना सत्र इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी इंडिकेटरों पर प्राप्त प्रगति पर असंतोष जताते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्यों में सुधार लाया जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक

कार्य के लिए संबंधित कर्मियों का कार्य आवंटन किया जाए तथा निर्धारित समयसीमा में प्रगति प्रस्तुत की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं के प्रोफाइल को मिशन मोड में अपडेट किया जाए तथा आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। विद्यालयों में शिक्षक एवं बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए इसकी कड़ाई से मॉनिटरिंग कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने बच्चों के नामांकन कार्य को गति देने, सभी विद्यालयों में समय पर सिलेबस पूर्ण कराने तथा प्रोजेक्ट रेल के तहत नियमित टेस्ट आयोजित करने का निर्देश दिया। बीआरपी एवं सीआरपी को विद्यालयों का नियमित भ्रमण सुनिश्चित करने को कहा गया। ई-वहिनी पोर्टल पर विद्यालय एवं विद्यार्थियों से संबंधित सभी डाटा अद्यतन रखने का निर्देश दिया गया। अनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु हेल्थ कैंप आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों का सिलेबस समय पर पूर्ण हो, जिससे वे आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी प्रकाश बैठा, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीपीओ, बीआरपी, सीआरपी तथा शिक्षकगण उपस्थित थे।

विधायक मथुरा ने निविदाओं में न्यूनतम दर का मुद्दा सदन में उठाया

धनबाद, संवाददाता

टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने सोमवार को सदन में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के निर्माण हेतु प्रकाशित निविदाओं का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि संवेदक द्वारा प्राक्कलन से 40-50 प्रतिशत न्यूनतम? दर पर निविदा प्राप्त कर लिया जाता है। जिसके कारण गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। साथ ही कोई भी योजना समय सीमा में पूर्ण नहीं हो पा रही है। पूर्व में प्रकाशित निविदाओं में अधिसूचित दर से अधिकतम न्यूनतम दर दस प्रतिशत था। इस पर संबंधित विभाग के मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि राज्यहित में यह व्यवस्था लागू की गई है। गुणवत्ता प्रभावित न हो इसके लिए अतिरिक्त प्रदर्शन गारंटी जमा कराने का प्रावधान है। इससे गुणवत्ता प्रभावित नहीं हो रही है और सारा काम सुचारू चल रहा है। विधायक ने निविदा में भाग लेने के बाद भी काम शुरू नहीं होने तथा न्यूनतम दर दस प्रतिशत निर्धारित करने का मामला उठाया। इस पर मंत्री मे कहा कि कुछ कामों की प्रगति प्रभावित होने की बात संज्ञान में आई है। न्यूनतम दर निर्धारित करने के मामले में जवाब देते हुए कहा कि सिर्फ उड़ीसा में 15 प्रतिशत का प्रावधान है। इसके अलावा अन्य राज्यों में कहीं भी यह व्यवस्था नहीं है।

डीएवी सेक्टर-4 में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला संपन्न

नवोन्मेषी शिक्षण प्रक्रिया और मूल्यांकन तकनीक पर शिक्षकों ने पाई विशेषज्ञता

बोकारो, संवाददाता

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सीओई के तत्वाधान में डीएवी सेक्टर-4 में 7 और 8 दिसंबर को आयोजित दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला शनिवार को उद्देश्यपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। आकलन और मूल्यांकन प्रक्रिया को सुदृढ़ करना विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला का लक्ष्य शिक्षकों के गुणात्मक उत्थान और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों में दक्षता विकसित करना था। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में जीजीपीएस सेक्टर-5 के प्राचार्य डॉ. अभिषेक कुमार और एआरएस पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सरिता झा ने अपने रोचक प्रस्तुतीकरण से सत्रों को उपयोगी

और प्रभावी बनाया। दोनों विशेषज्ञों ने मूल्यांकन तकनीक, अधिगम सुदृढ़ीकरण एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवोन्मेषी शिक्षण प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे प्रतिभागी शिक्षकों को व्यवहारिक दक्षता विकसित करने में मदद मिली।

विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि बदलते शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों को अद्यतन शिक्षण विधियों से परिचित कराना अनिवार्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों का सकारात्मक प्रभाव शिक्षण-सीखने के वातावरण में अवश्य दिखाई देगा। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों और रिसोर्स पर्सन्स का आभार व्यक्त किया।

सभी केंद्रों पर अनिवार्य होगा सीसीटीवी का अधिष्ठापन : उपायुक्त

पलामू, संवाददाता

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति केंद्रों के चयन तथा राइस मिलरों के प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने 76 धान अधिप्राप्ति केंद्रों की स्थापना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। वहीं 17 राइस मिलरों के आवेदन भी समिति के समक्ष रखे गए। विचार-विमर्श के उपरांत उपायुक्त ने 52 धान अधिप्राप्ति केंद्रों तथा 5 राइस मिलरों के चयन पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अंतिम सूची जारी करने से पूर्व सभी केंद्रों की जांच की जिम्मेदारी डीएसओ को

सौंपी जाए। उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि बिना कैमरे के किसी भी केंद्र पर अधिप्राप्ति कार्य प्रारंभ नहीं होगा। साथ ही गोदामों की साफ-सफाई एवं आवश्यक भंडारण व्यवस्थाओं की पूर्व जांच करने का निर्देश दिया, ताकि अधिप्राप्ति के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिन्हा, जिला कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार तथा भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाप-बेटे की मौत, परिजनों ने ओएनजीसी के गेट पर शव रखकर किया प्रदर्शन

बोकारो, संवाददाता

रविवार की देर शाम बनगड़िया ओपी क्षेत्र के पर्वतपुर सिंह टोला में एक भीषण सड़क दुर्घटना में पिता कैलाश प्रसाद सिंह (59) और उनके पुत्र कृष्णा सिंह उर्फ मनु (24) की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतक उस समय एक शादी समारोह में शामिल होने पर्वतपुर माजीटोला जा रहे थे, तभी लक्ष्या पावर टेक कंपनी की गाड़ी संख्या जेएच 10 बीजी/5887 की टक्कर से वह मौके पर ही काल के गाल में समा गए।परिजन व ग्रामीणों ने घटना के बाद आरोप लगाया कि यह वाहन ओएनजीसी के अधीन संचालित है, जिसने बचाव के प्रयास के बजाय मौके से भागने का प्रयास किया। हालांकि बाद में वाहन को पकड़ लिया गया।हत्या की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो

कर बुरा हाल हो गया। दोनों मृतकों के निधन से इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। गुस्साए स्वजनों ने सोमवार सुबह दोनों मृतकों के शवों को ओएनजीसी के जीसीएस प्लांट गेट पर रखकर मुआवजे की मांग शुरू की तथा चास-तलगड़िया मार्ग जाम कर दिया, जिस कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इसी बीच पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में लाने का प्रयास कर रहे हैं। बनगड़िया ओपी पुलिस, थाना चंदनकियारी, सियालजोरी, आमलाबाद ओपी की टीमों ने घटना स्थल का दौरा किया। सीओ रवि कुमार आनंद की उपस्थिति में ओएनजीसी और लक्ष्या पावर टेक के पदाधिकारी तथा मृतकों के परिजनों के बीच वार्ता भी हुई, लेकिन मुआवजे के मुद्दे पर कोई सहमति नहीं बन सकी।स्थानीय ग्रामीण एवं परिजन मुआवजे के साथ-साथ आरोपी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है और स्थिति को संभालने का प्रयास जारी है।

दुष्कर्म के आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

पलामू, संवाददाता

छत्तरपुर थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए छत्तरपुर थाना के सहायक अवर निरीक्षक (एसआई) इंद्रजीत राणा ने बताया कि पीड़िता द्वारा 7 दिसंबर को थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार पीड़िता अपने बच्चे के इलाज के लिए 5 दिसंबर को छत्तरपुर थाना क्षेत्र के हुटुगगदाग स्थित एक निजी क्लिनिक गई थी। इलाज के बहाने आरोपी संजय कुमार ने पीड़िता को अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया और घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी दी। बाद में पीड़िता ने साहस दिखाते हुए पुलिस को पूरी घटना की जानकारी

दी। शिकायत के आधार पर छत्तरपुर थाना कांड संख्या 245/25 दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई और आरोपी संजय कुमार (पिता–विश्वनाथ साव, निवासी–ग्राम रबदा, थाना नौडीहा बाजार) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी कार्यवाही में एसआई सुशील उरांव, अनुसंधानकर्ता एसआई इंद्रजीत राणा सहित छत्तरपुर थाना के सशस्त्र पुलिस बल शामिल रहे।

बीएंडके में सीसीएल अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू ,उदघाटन मैच में कुजू टीम ने जीत की दर्ज

खिलाड़ी कंपनी व क्षेत्र का नाम रौशन करें : ग्रेवाल

बोकारो, संवाददाता

सीसीएल अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता सोमवार को बोकारो एवं करगली क्षेत्र के बिनोद बिहारी महतो करगली फुटबॉल मैदान मे शुरू हुई. बतौर मुख्य अतिथि बीएंडके क्षेत्र के एसओ माईनिंग के एस गेवाल और सीसीएल मुख्यालय से आए मैनेजर स्पोटर्स आदिल हुसैन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बैटिंग कर प्रतियोगिता का उदघाटन किया. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल को खेल भावना से खेलें. उन्होंने खिलाड़ियों को कंपनी व क्षेत्र का नाम रौशन करने के लिए प्रेरित किया. वही टोस कुजू टीम और सीसीएल हॉस्पिटल नई सराय रामगढ़ के टीम के बीच हुआ । जिसमे कूजू की टीम टोस मे विजेता

टीम रही। उदघाटन मुकाबला कुजू बनाम सीसीएल हॉस्पिटल नई सराय रामगढ़ टीम के बीच खेला गया. जिसमे कजू की टीम ने 221 रन बनाई और सीसीएल हॉस्पिटल नई सराय 162 रन बनाई. इस तरह 59 रन से कुजू का टीम विजई रही. संडेबाजार मे भी एसओ माईनिंग के एस गेवाल और सीसीएल मुख्यालय से आए मैनेजर स्पोटर्स आदिल हुसैन ने उदघाटन किया. प्रतियोगिता में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की 18 टीमें भाग ले रही हैं. जानकारी के अनुसार प्रतिदिन दो लीग मैच करगली में और दो लीग मैच संडेबाजार आयोजित किये जायेंगे. 16 दिसंबर को फाइनल मुकाबला होगा। इस दौरान एसओपी विनय रंजन टुडु ने कहा कि सीसीएल अंतर क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 - 26 में 18 टीम भाग ले रही है .वही यह प्रतियोगिता 8 दिसंबर से शुरू हुई और16 दिसंबर को इसका फाइनल खेला जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मैनेजर कार्मिक कारो रवि प्रकाश यादव ने किया. मौके पर सीसीएल मुख्यालय से आए मैनेजर एचआर आशीष कच्छ, ढ़ोरी क्षेत्र के कार्मिक प्रबंधक सुरेश सिंह,भू राजस्व पदाधिकारी शंकर कुमार, कार्मिक प्रबंधक पी एन सिंह, सहायक कार्मिक प्रबंधक प्रेश्रा मिश्रा, सुजाता कुमारी सहित यूनियन नेता सुबोध सिंह पवार, सुजीत घोष, विजय भोई, आभाष चंद गांगुली, ओम प्रकाश सिंह, सुशील कुमार सिंह, पंकज महतो, नरेंद्र कुमार, सुरेश शर्मा, सूरज पासवान, कैलाश ठाकुर के अलावे व्यवस्थापक सुशील सिंह, संजय अंबष्ट, परवेज अख्तर, संतोष गोपी, गोपाल बाउरी आदि शामिल थे।

बोकारो के पत्रकार दिनेश पांडेय की पत्नी का निधन, शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे लोग

बोकारो, संवाददाता

बोकारो के पत्रकार दिनेश पांडेय की पत्नी रीना पांडे (50) का इलाज के दौरान सोमवार को बोकारो जनरल अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले आठ दिनों से भर्ती थीं और लगातार उपचार चल रहा था। दुखद सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी और परिचितजन अस्पताल पहुँचे और श्री पांडेय को ढांढस बंधाया। इस बीच बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण समेत कई गणमान्य लोगों ने पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। संवेदना प्रकट करने वालों में बी.के. पांडे, दिव्य खरे, बसंत मधुकर, अमरनाथ पोद्दार, चूमन कुमार, मनीष सिंह, संजीव कुमार, मृत्युंजय मिश्रा, मृत्युंजय शर्मा,

पंकज सिंह, हेमंत कुमार, नितेश वर्मा, कैलाश गोस्वामी, मनोज शर्मा, अनिल कुमार, हिमांशु वर्मा, हिमांशु कुमार, जयलक्ष्मी, अजीत कुमार, सुरेंद्र कुमार, संजीव सिंह सहित सैकड़ों पत्रकार और समाजसेवी शामिल रहे। परिजनों और सहयोगियों ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

अंडे के बढ़ते दाम से मध्याह्न भोजन प्रभावित

स्कूल प्रशासन परेशान

गयाजी (डोभी)। मध्याह्न भोजन में शुक्रवार को बच्चों को अंडा परोसने का प्रावधान है, लेकिन इन दिनों अंडे के बढ़ते दाम के कारण प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के प्रधान गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। सरकार द्वारा एक अंडे की कीमत पांच रुपये निर्धारित की गई है, जबकि बाजार में इसकी कीमत आठ रुपये तक पहुंच गई है। ऐसे में विद्यालय प्रधानों को अपनी जेब से पैसा लगाकर अंडा खरीदना पड़ रहा है, जिससे उनकी परेशानी बढ़ गई शिकायत भी करते हैं। मध्य विद्यालय खरांटी के प्रधान रामू ने बताया कि मेनू के अनुसार भोजन देना अनिवार्य है, इसी कारण कई बार वेतन से भी राशि खर्च करनी पड़ती है। वहीं मध्य विद्यालय नदरपुर की प्रधानाध्यापिका सिया देवी ने कहा कि अंडा न मिलने पर बच्चे आक्रोशित हो जाते हैं और अभिभावक तथा जनप्रतिनिधि तक आपत्ति जता चुके हैं, लेकिन अंडे के बढ़े मूल्य पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। मध्याह्न भोजन प्रभारी

है। मध्य विद्यालय बहेराडीह की प्रधानाध्यापिका गुड्डी कुमारी ने बताया कि पांच रुपये में अंडा उपलब्ध कराना संभव नहीं है। इसका समाधान सरकार को जल्द निकालना चाहिए। मध्य विद्यालय गरवैया के प्रधान चंद्रशेखर ने कहा कि अंडे के दाम बढ़ने से प्रशासन के सामने विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है बच्चे अंडा नहीं मिलने पर नाराज हो जाते हैं और राजीव कुमार ने बताया कि शुक्रवार को सभी विद्यालयों में अंडा परोसा जाना है, जबकि ठंड के मौसम में अंडे की कीमत बढ़ने की आशंका रहती है। विद्यालय प्रधानों की मांग है कि सरकार अंडे के बढ़े बाजार मूल्य के अनुरूप राशि निर्धारित करे, ताकि बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

भागलपुर के स्कूलों का बदलेगा स्वरूप

भागलपुर। जिले के कई ऐसे स्कूल है जिनकी स्थिति बहुत ही खराब है। खराब यानी वहां पर बच्चों की संख्या के मुताबिक कमरा नहीं है। इसके कारण बच्चों को काफी दिक्कतें होती है। इसको लेकर जिला शिक्षा विभाग ने स्कूलों में शैक्षणिक माहौल सुधारने और बच्चों को बेहतर सुविधा देने की दिशा में शिक्षा विभाग ने कदम तेज कर दिए हैं। इसको लेकर डीईओ एसएसएस बबीता कुमारी ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए विद्यालयों में जीर्ण-शीर्ण कमरों की अपडेट सूची 48 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने को कहा है। ऐसे विद्यालय जिनके कक्ष काफी खराब स्थिति में हैं या जहां अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता है, उनकी जानकारी तत्काल संकलित कर जिला कार्यालय को भेजनी होगी। निर्देश में कहा गया है कि कई स्कूलों में कमरे जर्जर होने के कारण छात्रों को बैठने में कठिनाई होती है तथा पठन-पाठन प्रभावित होता है। सूची तैयार होने के बाद जिले के विद्यालयों में आधारभूत संरचना को सुधारने की प्रक्रिया तेज होगी। विभाग ने स्पष्ट कहा है कि समय पर रिपोर्ट नहीं भेजे जाने पर संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों पर कार्रवाई भी की जा सकती है। अप्रैल-मई में ई-शिक्षाकोष पर मांगे गए डिमांड के मुताबिक जिले भर के स्कूलों में 5145 अतिरिक्त भवन की जरूरत है।

10 दिसंबर तक भाजपा की मैराथन बैठक

प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पहुंचे मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी आज से तीन दिन बड़ी बैठक का आयोजन करने जा रही है। शुरुआत मुजफ्फरपुर से हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल बैठक की अध्यक्षता करने के लिए मुजफ्फरपुर पहुंच चुके हैं। उन्होंने सबसे पहले गरीब नाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद बैठक में शामिल हुए। बैठक में तिरहुत और मिथिला क्षेत्र वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। यह बैठक राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं को समर्पित रहेगा। तीन दिन यानी 8, 9 और 10 दिसंबर तक तक चलने वाली इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लोग क्षेत्रीय नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार तो जताएगी ही साथ ही जश्न भी मनाएगी। हालांकि इसके पीछे का एक मकसद आगामी 5 वर्ष के योजनाओं पर विचार विमर्श करना भी है। इसके लिए भी रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा की ओर से कहा गया है कि इन बैठकों के माध्यम से पार्टी जनादेश के अनुरूप योजनाएं बनाएगी। साथ ही, चुनावी कमियों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री नागेंद्र समेत पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी प्रभारी, जिला प्रभारी जिला, अध्यक्ष, महामंत्री, विधानसभा प्रभारी और संयोजक समेत कई नेता और कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान जो नेता पार्टी से नाराज हो गए थे उन्हें भी इस बैठक में बुलावा भेजा गया है। इधर, एक दिन पहले यानी रविवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में सुबह से शाम तक बैठकें चली।

कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

खगड़िया। जिले के चौथम थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ी सफलता मिली है। एसपी राकेश कुमार के निर्देश पर फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कौशल सिंह हत्याकांड में सक्रिय और फरार चल रहे बंटोरा सिंह उर्फ बदन कुमार को कामाथान मुसहरी टोला क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देसी तमंचा, एक देसी कट्टा और तीन जिंदा गोलियां बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी बदन कुमार, निवासी नवादा, थाना चौथम का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है। वह 2007, 2008, 2013, 2019 और 2025 में दर्ज कई हत्या, आर्म्स एक्ट और मारपीट जैसे संगीन मामलों में वांछित था।

संक्षिप्त डायरी

पति पर दूसरी शादी का आरोप, बंगाल की महिला ने वैशाली में आकर किया हंगामा

वैशाली। जिले के महनार थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर चंदेल पंचायत के बिशनपुर गांव में रविवार को हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी बिलकिस खातून ने अपने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और महनार थाना पुलिस भी तुरंत पहुंच गई। बिलकिस खातून ने बताया कि उसकी शादी 12 साल पहले बिशनपुर गांव निवासी अशोक भगत के पुत्र अमित पासवान से हुई थी। वह लंबे समय से कोलकाता में पति के साथ रह रही थी और समय-समय पर ससुराल आती रही है। महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष दहेज की मांग करता था और मारपीट की धमकी देता था। उसका दावा है कि उसके पति अमित ने दूसरी शादी कर ली है और दूसरी पत्नी को कहीं छिपा रखा गया है। इधर, आरोपों के बाद पति घर छोड़कर फरार बताया जा रहा है। वहीं, ससुराल पक्ष ने महिला के आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि उसके अवैध संबंध हैं और शादी का उसका दावा भी गलत है। फिलहाल महनार पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

'तेज प्रताप ने मेरे कपड़े फड़वाए और वीडियो बनवाया', पूर्व सहयोगी सौरभ ने लगाए लालू के बेटे पर आरोप

वैशाली। तेज प्रताप यादव के करीबी रहे सौरभ यादव ने उनपर और उनके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सौरभ यादव का कहना है कि तेज प्रताप ने उनका मोबाइल छीन लिया, उन्हें बेरहमी से पीटा, उनके कपड़े फाड़े और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें अपमानित किया। सौरभ यादव के अनुसार, वह खान सर के भाई की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। वहीं तेज प्रताप यादव ने उनका मोबाइल अपने पास रख लिया। इसके बाद उन्हें 26 नंबर सरकारी आवास पर बुलाया गया, जहां 20 से 30 लोगों ने मिलकर उनकी पिटाई की। सौरभ का आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए गए और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उनका मोबाइल फोन रात 9 बजे से लेकर डेढ़ बजे तक तेज प्रताप के आवास में ही रखा गया। सौरभ ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वह 2015 से तेज प्रताप के साथ जुड़े हुए थे और चुनाव के दौरान उनके लिए लगातार प्रचार भी करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगले के अंदर मौजूद लोग मारपीट देखते रहे, लेकिन किसी ने उन्हें बचाने की कोशिश नहीं की। सौरभ ने पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक की मौत

कैमूर। जिले के रामगढ़-मोहनिया पथ स्थित भिरखीरा मोड़ के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक की पहचान बक्सर जिले के चौसा थाना क्षेत्र के सरेंजा गांव निवासी स्वर्गीय प्रद्युम्न जायसवाल के पुत्र शशिकांत जायसवाल के रूप में हुई है। जबकि घायलों में चैनपुर थाना क्षेत्र के भखारी देवी गांव निवासी खुशबू जायसवाल और दीवान जायसवाल शामिल हैं। सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आनन-फानन में रामगढ़ रेफरल अस्पताल भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों गंभीर घायलों को वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक पर तीन लोग सवार थे। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हादसा हुआ। एक की मौत हो चुकी है और दो गंभीर रूप से घायल हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि तीनों किसी काम से घर से निकले थे, तभी यह दर्दनाक घटना हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

औद्योगिक विकास के लिए 436 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, रोजगार के नए अवसर खुलेंगे

औरंगाबाद। कुटुंबा प्रखंड में औद्योगिक विकास (बियाडा) के लिए 436.50306 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई है।

इसके लिए जिलाधिकारी द्वारा सूचना का प्रकाशन रविवार को समाचार पत्रों में किया गया है। जारी सूचना के अनुसार कुटुंबा अंचल के कजपा, निरंजनपुर, महसू, सरदेई परसावां, इरिचप, जोड़ा और करमडीह मौजा में जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जमीन अधिग्रहण के पहले राज्य के एसआइए द्वारा सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन कराया गया है, जिसमें बताया गया है कि इस परियोजना से क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को नया आयाम मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक परिसर के लिए जितनी भूमि की आवश्यकता है, उतनी ही अधिग्रहित की जाएगी और इससे किसी भी परिवार के विस्थापित होने की आशंका नहीं है। जारी अधिसूचना में प्रत्येक किसान की अधिग्रहित होने वाली भूमि का विस्तृत विवरण दिया गया है। जिला भू-अर्जन कार्यालय के अनुसार लगभग 370 किसानों की जमीन अधिग्रहित होगी। गैरमजरूआ और बकास्त जमीन का मुआवजा नहीं दिया जाएगा लेकिन यदि किसी किसान के पास इन भूमि से जुड़े पूर्ण और वैध कागजात उपलब्ध होंगे, तभी मुआवजे पर विचार किया जाएगा। कौन से खाता और प्लाट में कितना गैरमजरूआ बकास्त जमीन है उसका प्रकाशन किया गया है। बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज की गई है। मुख्यमंत्री स्वयं इस योजना की मानिटरिंग कर रहे हैं। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत तथा उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार विभिन्न जिलों का लगातार दौरा कर प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। गौरतलब है कि अब तक जिले में औद्योगिक परिसर के रूप में शहरी क्षेत्र के जसोइया और मुफस्सिल थाना के समीप पांडेयपुर स्थित साइकिल फैक्ट्री के पास बियाडा की जमीन है। पांडेयपुर के पास की जमीन में अबतक कोई उद्योग नहीं लग सका है। जबकि जसोइया में श्रीसीमेंट, सिहाक एग्रो, सतबहिनी राइस मिल से लेकर अन्य उद्योग चल रहे हैं। जमीन का अधिग्रहण से कुटुंबा के सुदूर इलाके का विकास होगा। नए औद्योगिक प्रखंड की पहचान होगी। उद्योग की स्थापना से जिले में निवेश और रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। अधिग्रहित जमीन डिफेंस कोरिडोर के रूप में विकसित होगा। रक्षा मंत्रालय के द्वारा अत्याधुनिक हथियार, गोला और बारूद बनाने की फैक्ट्री खोले जाने की संभावना है। एक अधिकारी के अनुसार अधिग्रहित जमीन में आयुध कारखाना लगेगी। हालांकि, इसके बारे में जिले के कोई अधिकारी बोल नहीं रहे हैं पर पटना में केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों की राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक हुई है और आयुध कारखाना के लिए डीएम से जमीन की मांग की गई है। नालंदा के बाद यह दूसरा आयुध कारखाना होगा। बियाडा के लिए जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। जमीन का अवलोकन किया गया है। सरकार चाहती है कि औरंगाबाद का चौमुखी विकास हो। बियाडा परिसर में उद्योग लगाने के लिए सरकार इच्छुक लोगों को जमीन उपलब्ध कराएगी। सरकार अधिग्रहित जमीन का मुआवजा किसानों को देगी।

- श्रीकांत शास्त्री, डीएम औरंगाबाद

बिहार के इस शहर में गरजा बुलडोजर, रोने लगे दुकानदार, सरकारी जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

सरायगढ़ (सुपौल)। सोमवार को भपटियाही बाजार में प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। इस दौरान सरकारी जमीन पर वर्षों से अवैध रूप से बनी कई दुकान और घरों को ध्वस्त कर दिया गया। जैसे ही बाजार में बुलडोजर की इंट्री हुई, दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने आनन-फानन में अपनी दुकानों का सामान हटाना शुरू किया, लेकिन देखते ही देखते कई दुकानें बुलडोजर की चपेट में आ गईं। दोपहर 12 बजे के बाद अंचलाधिकारी धीरज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी अच्युतानंद, थानाध्यक्ष संजय कुमार दास पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी करते रहे। प्रशासन की सख्ती के कारण किसी भी प्रकार का विरोध या हंगामा नहीं हो सका। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। इस कार्रवाई के दौरान सबसे अधिक परेशानी छोटी दुकानों में व्यापार करने वाले लोगों को हुई। कई वर्षों से रोजी-रोटी चला रहे दुकानदारों की दुकानें हटने से उनका रोजगार छिन गया। कुछ दुकानदारों की आंखों में आंसू भी देखे गए। अंचलाधिकारी ने कहा कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार बाजार के दोनों ओर स्थित सरकारी जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जा रहा है ताकि बाजार में लगने वाला जाम खत्म हो सके और आमलोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

ममता ने रखवाई है बाबरी मस्जिद की नींव: गिरिराज

■ अब ड्रामा कर रहीं, बदला बाहुबली विधायक अनंत सिंह के सरकारी आवास का पता

पटना। नई सरकार बनने के बाद से एक्शन तेज है, एक ओर बुलडोजर चला रहा, दूसरी तरफ बिहार में 3 न्यूक्लियर प्लांट लगने की तैयारी शुरू हो गई है। जेल में बंद बाहुबली विधायक अनंत सिंह के सरकारी आवास का पता बदल गया है। अब वो वीरचंद पटेल के आवास नंबर 11/08 में रहेंगे। पहले उन्हें माल रोड में आवास आवंटित हुआ था। इधर, बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संसद में 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा पर भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "अगर भारत के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में वंदे मातरम् पर चर्चा नहीं होगी, तो कहां होगी? वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। आजादी का यह गीत बंगाल की धरती से था; इस पर चर्चा होनी चाहिए। यह भारत की विरासत है। लेकिन कुछ लोगों को वंदे मातरम् से परेशानी है, बाबरी मस्जिद को मानने वाले इसके खिलाफ हैं।" निलंबित TMC विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के मामले पर उन्होंने कहा, "हुमायूं कबीर ने इसे नहीं रखा; ममता बनर्जी ने रखा, और वह ड्रामा कर रही हैं और अपने नेताओं और सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं।" बता दें कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था। 'NPCIL-NTPC की संयुक्त टीम तीनों जगहों पर भूकम्प, पानी की उपलब्धता, जमीन की उपलब्धता, आबादी का घनत्व तथा जमीन की स्थिति से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। संयुक्त टीम केंद्र और राज्य सरकार को जल्द ही अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। देश में 100 मेगावॉट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य जल्द पूरा हो सके, इसके लिए ये कदम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।' बिहार कैबिनेट की बैठक कल मंगलवार दोपहर 3.30 बजे मुख्य सचिवालय में होगी। बैठक में कई एजेंडे पर मुहर लगेगी। नौकरी और रोजगार के लिए बने 3 नए विभागों पर भी मुहर लग सकती है। JDU के नेता और कार्यकर्ता लगातार निशांत कुमार को राजनीति में सक्रिय होने को लेकर आवाज उठा रहे हैं। इधर अब तो सीधे-सीधे निशांत के हाथों में खड्ग की कमान सौंपने को लेकर ही मांग उठने लगी है। युवा JDU के प्रदेश उपाध्यक्ष के तरफ से पार्टी कार्यालय समेत पटना के अलग अलग इलाके में पोस्टर लगाया गया है। इस पोस्टर के जरिए अब निशांत कुमार के हाथ में JDU की कमान सौंपने की मांग की गई है। JDU के नेता और कार्यकर्ता लगातार नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को राजनीति में सक्रिय होने को लेकर आवाज उठा रहे हैं। अब तो सीधे-सीधे निशांत के हाथों में खड्ग की कमान सौंपने को लेकर ही मांग उठने लगी है। युवा खड्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष की तरफ से पार्टी कार्यालय समेत पटना के अलग-अलग इलाके में पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर के जरिए अब निशांत कुमार के हाथ में खड्ग की कमान सौंपने की मांग की गई है।

सिपाही मीनाक्षी के काम से नाखुश थे थाना प्रभारी

कई बार हुई कहासुनी, फिर ऐसी बनी एकदम खास, खुला एक और राज

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की मौत की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे हो रहे हैं। अब जांच में यह बात सामने आई है कि थाना प्रभारी अरुण कुमार महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा के कामकाज से नाखुश रहते थे। उन्होंने महिला सिपाही को हटाने के लिए रिपोर्ट भी भेजी थी। सूत्रों के मुताबिक, कोंच कोतवाली में तैनाती के दौरान थाना प्रभारी अरुण कुमार राय महिला कांस्टेबल मीनाक्षी शर्मा की कार्यशैली से नाराज रहते थे। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान कई बार राय ने उसकी कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया था। हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्होंने मीनाक्षी को हटवाने के लिए अधिकारियों को रिपोर्ट तक भेज दी थी। यह बात मीनाक्षी को नागवार गुजरी थी। सूत्रों के अनुसार, इसी तनाव के बीच मीनाक्षी ने राय के निजी आवास पर अधिक समय बिताना शुरू किया और वह थाना प्रभारी की खास बन गई। पिछले लगभग एक सप्ताह से वह कुठौंद स्थित आवास पर ही रह रही थी, जबकि उसकी तैनाती कोंच में थी। मीनाक्षी लगभग 10 दिन से बिना अनुमति ड्यूटी से गैरहाजिर थी। महिला कांस्टेबल मीनाक्षी शर्मा पहले भी विवादों में रही है। पीलीभीत में तैनाती के दौरान 24 अप्रैल 2022 को उसने कोतवाली में तहरीर देकर चुनाव सेल में तैनात कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए थे। एसपी ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच सीओ लाइन को सौंपी थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और विभागीय कार्रवाई के साथ निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू हुई। कुठौंद थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की संदिग्ध मौत के मामले में अब पुलिस एसआईटी के जरिए गहराई से जांच करवाएगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि तीन सदस्यों वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। मामले की विवेचना पहले से ही जालौन क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र वाजपेई को सौंपी गई है, लेकिन किसी भी स्तर पर चूक न हो, इसलिए एसपी ने अब विशेष टीम को भी जांच में लगा दिया है। यूपी के जालौन जिले के कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की शुक्रवार की रात थाना परिसर स्थित उनके आवास में संदिग्ध हालात में सर्विस रिवाल्वर से गोली चलने से मौत हो गई थी। घटना के दौरान एक महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा को आवास से भागते हुए देखा गया था। दिवंगत इंस्पेक्टर की पत्नी माया राय ने महिला सिपाही पर पति की हत्या का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, दिवंगत अरुण कुमार राय के आवास से शुक्रवार की रात लगभग नौ बजे गोली चलने की आवाज सुनाई दी थी। इस दौरान उनके कमरे से एक महिला सिपाही चिल्लाते हुए बाहर आई और बोली की थाना प्रभारी ने गोली मार ली। कर्मचारी जब मौके पर पहुंचे तो खून से लथपथ अरुण कुमार राय चारपाई पर मच्छरदानी के अंदर पड़े थे। घटना से थाने में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन पुलिसकर्मी उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सनसनीखेज घटना की जानकारी पर एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार व डीएम राजेश कुमार पांडे थाने पहुंचे और फोरेंसिक टीम ने जांच की। जानकारी पर परिजनों के साथ पहुंची उनकी पत्नी ने महिला सिपाही पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। मूल रूप से संतकबीर नगर व इस समय आवास विकास कॉलोनी गोरखपुर निवासी अरुण कुमार राय 1998 में सिपाही के रूप में पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे। लंबे कार्यकाल के बाद उन्हें 2013 में उप निरीक्षक बनाया गया। इसके बाद उत्कृष्ट कार्य के आधार पर 2022 में इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति मिली। इंस्पेक्टर बनने के बाद उनकी पहली पोस्टिंग महाराजगंज थाना प्रभारी के रूप में हुई थी। वह 2023 में जिले में तैनात हुए थे। शुरुआत में उन्हें मीडिया सेल का प्रभार मिला, इसके बाद कोंच कोतवाली फिर उरई कोतवाली में एक वर्ष से अधिक समय तक रहे। 21 अगस्त 2025 को उन्होंने कुठौंद थाने का कार्यभार ग्रहण किया था। जहां वह प्रभारी निरीक्षक के रूप में तैनात थे। निरीक्षक अरुण कुमार राय अपने व्यवहार और कार्यकुशलता के लिए पुलिस महकमे में अलग पहचान रखते थे। मीडिया सेल प्रभारी के साथ-साथ कोंच और उरई सदर कोतवाल के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। कोंच में तैनाती के दौरान उनकी आमजनों के बीच अच्छी पकड़ रही। समस्याओं को सुनने और समाधान कराने के उनके तरीके ने उन्हें बेहद लोकप्रिय बनाया। उनका व्यवहार हमेशा सौम्य और सरल रहा। वह विवादों से दूर रहते थे और जनता के साथ सहज संवाद के लिए जाने जाते थे। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में वह रहे वहां आज भी लोग उन्हें आदर और स्नेह के साथ याद कर रहे हैं।

लाइफ होम्यो क्लीनिक एवं रिसर्च केंद्र का रालोद नेता ने किया उद्घाटन

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील के अंतर्गत कारखाना महुआ के डिग्री चौराहे पर लाइफ होम्यो क्लीनिक एवं रिसर्च केंद्र का उद्घाटन राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश सचिव सिया शरण पान्डेय एवं होम्योपैथिक डॉक्टर राणा यादव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय ने कहा कि यह रिचार्ज सेंटर ग्रामीण अंचल में सेवा का कीर्तिमान स्थापित कर युवाओं के बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भी भूमिका निभाएगा। अब ग्राम्य क्षेत्र के मरीजों और लोगों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर डॉक्टर कमरुद्दीन हुसैन ने सबको धन्यवाद दिया और कहा कि क्षेत्र के लोगों को सही इलाज उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में समाजसेवी आबिद हुसैन, मोहम्मद सरफु प्रधान रावत, राकेश यादव प्रधान कारखाना महुआ मुर्तजा हुसैन, मौलाना सेराज, अहमद, मौलाना, सफीक, सलमान, अली मोहम्मद, हारून अली, अमिताभ अंसारी, मुकेश यादव आदि उपस्थित रहे।

अधिशासी अध्यक्ष के निर्देशन में विशेष प्रशिक्षण अभियान शुरू

संवाददाता

कुशीनगर। अवध शुगर मिल ढाढा हाटा के केन परिक्षेत्र में शरद कालीन गन्ना बुवाई का क्षेत्रफल बढ़ाने को लेकर अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता के मार्गदर्शन में विशेष प्रशिक्षण अभियान शुरू हो गया है। अनुसंधान, शोध तकनीक को गांव स्तर पर प्रशिक्षण के माध्यम से जानकारी, औसत उपज बढ़ाने, गन्ना विकास, ढाढा चीनी मिल व शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी, गन्ना की उत्पादकता, चीनी परता में वृद्धि करने, कृषकों की आय बढ़ाने के मूल उद्देश्य को लेकर कृषकों को जानकारी दी जा रही है। सोमवार को ग्राम खरसाना रामपुर मिश्री में किसानों को गोष्ठी में तकनीकी जानकारी दी गई। अधिशासी उपाध्यक्ष गन्ना रविंद्र सिंह ने दी बताया कि प्रथम चरण में 20 गांव में 8 दिसंबर से 17 दिसंबर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। जिनमें खरसाना, रामपुर मिश्री, डुमरी, सुकरौली, चन्धा खुर्द पटनी, चितरहा, सोनिया, अधिनायकपुर, धरमौली, चिलुआ, शंका पार बनवलिया, ईनरहा, सकरौली, कतौरा, रामपुर सोहरौना, टिकरी शामिल हैं। किसानों को अधिशासी उपाध्यक्ष, सहायक उपाध्यक्ष गन्ना मनोज बिश्नोई, जोनल इंचार्ज, गन्ना प्रबंधक मिल के गन्ना विकास योजनाओं की जानकारी देंगे। अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने बताया कुशीनगर जिले का गन्ना औसत उपज 800 कुंतल प्रति हेक्टेयर है जबकि शामली जिले का 1023 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। पिछले पराई सत्र 24 - 25 से में ढाढा चीनी मिल में औसत गन्ना आपूर्ति मात्र 102 कुंतल प्रति एकड़ हुआ है जो बहुत कम है। विशेष प्रशिक्षण अभियान में उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक, गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा गन्ना प्रजातियों, भूमि व बीज उपचार, ट्रेंच विधि से गन्ना बोने के लाभ, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग सह फसलों से लाभ आदि विषयों पर जानकारी दी जाएगी।

लिव-इन में रह रही महिला ने चाकू से गला रेतकर साथी को मार डाला

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के सलारगंज स्थित शिवम ग्रीन सिटी में सोमवार देर रात एक दिलदहला देने वाली वारदात सामने आई। लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहे युवक सूर्य प्रताप सिंह (32) की उसकी प्रेमिका रत्ना देवी ने धारदार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला रत्ना देवी को तत्काल हिरासत में ले लिया पुलिस के मुताबिक रत्ना देवी और सूर्य प्रताप पिछले चार वर्षों से लिव-इन में रह रहे थे। सूर्य प्रताप सिंह मूल रूप से देवरिया जिले के पसिया भीखा मरखड़ा गांव के रहने वाले हैं। पिता नरेन्द्र सिंह मैक्स हॉस्पिटल गोमतीनगर में बतौर चालक हैं और वह जानकीपुरम सहारा स्टेट में रहते हैं। रत्ना देवी अपनी दो बेटियों 18 वर्षीय अनुष्का और 15 वर्षीय जान्वी सिंह के साथ यहीं किराए पर सूर्य प्रताप सिंह के यहां रहती थी। घटना के समय दोनों बेटियां भी घर पर मौजूद थीं। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सूर्य प्रताप सिंह एवरेडी कंपनी में एक्जिक्यूटिव इंजीनियर थे। करीब 22 वर्ष की उम्र में वह जानकीपुरम स्थित आकांक्षा कॉलोनी में रत्ना देवी की दोनों बेटियों को ट्यूशन पढ़ाने जाते थे, वहीं से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और संबंध लिव-इन तक पहुंच गया। हालांकि पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और प्रेमिका रत्ना देवी के खिलाफ तहरीर दी है।

कफसिरप माफिया शुभम जायसवाल के 2 करीबी गिरफ्तार : वाराणसी में फर्जी दस्तावेज से बनाए फर्म

वाराणसी। कफ सिरप मामले में कमिश्नरेट की एसआईटी ने शुभम जायसवाल के दो बड़े करीबियों को गिरफ्तार किया है। दवा लाइसेंस बनवाकर दोनों ने लाखों रुपए के फर्जी बिल तैयार कर सीरप को बांग्लादेश तक सप्लाई किया। आरोपी विशाल जायसवाल और बादल आर्य ने एसआईटी की पूछताछ में सभी राज से खोले। दोनों आरोपियों ने अपनी फर्में बनाकर बड़ी कमाई की। हर खेप पर उन्हें 25-30 हजार रुपए मिलते थे। यहां तक की हर बोतल पर एक रुपए कमीशन मिलता था। फर्म का पैसा आने पर उसे शैली ट्रेडर्स के खाते में ट्रांसफर कर देते थे। वहीं एसआईटी के अफसर शुभम के एक चार्टर्ड एकाउंटेंट से भी पूछताछ कर रहे हैं। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसीपी देवेश बसवाल ने बताया- जानकारी में आया है कि शुभम जायसवाल भारत से बाहर चला गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लुक आउट सर्कुलर जारी किया जा रहा है। साथ रेडकार्नर नोटिस जारी किया जाएगा। जिसमें इंटरपोल के थ्रू इनकी गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। तस्करों ने यह भी कबूला कि सभी बैंक अकाउंट की पूरी जानकारी सीए देवेश जायसवाल के पास रहती थी। मनी ट्रांसफर करने के समय ओटीपी मांगता था हम लोगों के द्वारा एक वर्ष के अन्दर करीब 7 करोड़ रुपए का व्यापार किया गया है। हम लोगों की फर्म सिर्फ दिखाने के लिये थी जबकि शैली ट्रेडर्स से जो भी माल हमारे फर्म के नाम पर आता था वह हमारी फर्म में न आकर दूसरी जगह भेज दिया जाता था जिसके ई वे बिल व टैक्स इनवाइस हम लोग अपनी फर्म के माध्यम से तैयार करते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपी बादल आर्य ने कहा- देवेश जायसवाल ने मेरा फर्म खुलवाया था। मुझे तो केवल 20 से 25 हजार रुपए मिल जाते थे। एक बार भौतिक सत्यापन के लिए टीम आई थी। हालांकि सब कुछ देवेश ही हैंडल करता था। विशाल जायसवाल हुकुमगंज में रहता हूं। मामा दिलीप जायसवाल हैं। उनका बेटे देवेश जायसवाल है। उसी ने मेरा हरिओम फार्मा के नाम से फर्म खुलवाया था। वही माल मंगाता लेकिन मेरे दुकान पर कभी सीरप नहीं आया। मुझे 20 से 30 हजार रुपए कैश मिलते थे। देवेश के साथ अमित जायसवाल थे। मुझे 6 महीने पहले एनसीबी का नोटिस आया तो हमने GST में जाकर बंद करा दिया। सवा साल पहले से काम चल रहा था। डीसीपी गौरव बसवाल ने बताया- पिछले महीने कोतवाली थाने में एफआईआर लिखवाई गई थी। ड्रग विभाग ने पिछले महीने 28 फर्मों के नाम दिए गए थे। उसमें कहा गया कि ये फर्में ये बता नहीं पा रहे हैं कि कोडिनयुक्त सिरप की सप्लाई इन्होंने कहां की। उसी के बाद पुलिस ने अकाउंट्स खंगाले तो पता चला कि कई फर्में फर्जी तरीके से रजिस्टर्ड कराए गए थे। इन फर्मों ने कोई व्यापार नहीं किया गया।

कुशीनगर को हरा लखनऊ ने जीता सेना कप का उद्घाटन मैच

स्व. सूबेदार मुसाफिर अली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता सेना कप - 2025

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा मान्यता प्राप्त कुशीनगर क्रिकेट अकादमी द्वारा बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर के क्रीड़ांगन में आयोजित स्व. सूबेदार मुसाफिर अली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता सेना कप - 2025 का उद्घाटन मैच लखनऊ ने कुशीनगर की टीम को हराकर जीत लिया। सोमवार को सेना कप का विधिवत शुभारंभ राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। उद्घाटन मैच में नगरपालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को सरकार लगातार प्रोत्साहन कर रही है। सेना कप का आयोजन कर अजहर ने राष्ट्र भक्ति को जागृत करने के साथ खिलाड़ियों को तराशने का बेहतर कार्य कर रहे हैं। टास जीतकर कुशीनगर की टीम ने क्षेत्र रक्षण का फैसला लिया। लखनऊ की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 345 रन बनाए। लखनऊ टीम से अमन यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 165 रन बनाए। जवाब में उतरी कुशीनगर की टीम 17 ओवर में 280 रन पर सिमट गई। कुशीनगर के निखिल राय ने शानदार 170 रन बनाए। अमन मैन ऑफ मैच घोषित किए गए। केसीए के संचालक और आयोजक अजहर ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण और बुके देकर स्वागत किया। अंपायरिंग की भूमिका में अमजद अली, फिरोज अली रहे। फोटो ग्राफर नीरज, स्कोरर विकास सिंह जबकि कमेंट्री बॉक्स में दिनेश कुमार सिंह चौधरी ने हिंदी और अंग्रेजी में शानदार कमेंट्री प्रस्तुत की। दूसरा मैच बनारस और देवरिया के बीच खेला गया। एन जी खिलाड़ी सहिम हसन ने बताया कि मंगलवार को सुबह कानपुर और गोरखपुर तथा दोपहर बाद फतेहपुर व प्रयाग की टीमों के बीच मैच होगा। इस दौरान प्रमिल गुप्ता, सभासद पवन गुप्ता, अंशु मणि त्रिपाठी, शत्रुजीत सिंह, संतोष पाठक, साबिर अली, अशोक सिंह, सुनील यादव समिति के रवि शंकर, अतहर, सभासद अजेंद्र सिंह, प्रिंस पाण्डेय, नीरज शर्मा, उज्ज्वल, समीर, शुभम सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

'अग्रहार' की रजत जयंती वृहद कवि गोष्ठी व सम्मान समारोह 12 दिसंबर को

संवाददाता

कुशीनगर। भगवान महावीर की पुण्य भूमि पावानगर में स्थापित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'अग्रहार' की रजत जयंती वृहद कवि गोष्ठी व सम्मान समारोह 12 दिसंबर दिन शुक्रवार समय एक बजे अपराह्न से मिलन मैरिज हॉल फाजिलनगर में आयोजित है। उक्त जानकारी साहित्यिक संस्था अग्रहार के सा स्थापक सार्जेंट अभिमन्यु पांडेय ने देते हुए बताया कि वर्ष 2000 में स्थापित साहित्यिक संस्था अग्रहार से क्षेत्र के साहित्य प्रेमी विद्वतजन, देश के विभिन्न क्षेत्रों से कवि साहित्यकार जुड़े हैं। जो अपनी साहित्यिक रचनाओं से हिन्दी और भोजपुरी की सेवा कर रहे हैं। अग्रहार के विकास की इस साहित्यिक यात्रा में साहित्यकारों के साथ साथ सोशल मीडिया तथा प्रिंट मीडिया का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। अग्रहार की रजत जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित कविगोष्ठी में विद्वान साहित्यकारों और पत्रकारों को भी सम्मानित होना है। इस अवसर पर सार्जेंट श्री पांडेय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री पांडेय का वैवाहिक वर्षगांठ भी मनेगा। साथ को अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के आचार्यगण द्वारा वैदिक कार्यक्रम आयोजित है।

इंग्लैंड के रोटरी क्लब रग्बी डंसेमोर एवं रोटरी क्लब कुशीनगर के बीच हुआ मीटिंग

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी इंटरनेशनल की शाखा रोटरी क्लब कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) मंडल 3120 और इंग्लैंड के रोटरी क्लब रग्बी डंसेमोर मंडल 1060 के बीच एक सार्थक इंटर डिस्ट्रिक्ट मीटिंग कुशीनगर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। दोनों क्लबों के बीच रोटरी की परंपरा अनुसार फ्लैग एक्सचेंज किया गया। इसके साथ ही सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मीटिंग में एक- दूसरे पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया, जिससे दोनों क्लबों के बीच सौहार्द और सहयोग का भाव और प्रगाढ़ हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक में रोटरी क्लब कुशीनगर के सह संरक्षक वाहिद अली एवं रोटरी क्लब गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रसाद कण्डोई तथा रोटरी क्लब रग्बी डंसेमोर के पूर्व अध्यक्ष रमेश चन्द श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही।

पुलिस ने 6 किलो अवैध गांजे के साथ महिला तस्कर को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मौदहा पुलिस ने चैकिंग के दौरान अतरार रोड पर अरण्या गेस्ट हाउस के पास 28 वर्षीय महिला तस्कर को एक प्लास्टिक की बोरी में 6 किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ किया गिरफ्तार। मौदहा पुलिस ने महिला तस्कर के खिलाफ मु0अ0सं0 421/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस के तहत दर्ज करने के साथ ही उसे अदालत में पेश किया गया। जबकि महिला तस्कर को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई अभिषेक त्रिवेदी, महिला एस आई कोमल,कान्स्टेबल धर्मेन्द्र कुमार सहित कांस्टेबल विजय प्रताप शामिल रहे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो की 7 फ्लाइट कैंसिल

लखनऊ। एयरपोर्ट पर सोमवार को इंडिगो एयरलाइन की 7 फ्लाइट रद्द रहीं। हालांकि, पिछले दिनों के मुकाबले इंडिगो के काउंटर पर भीड़ कम रही। ज्यादातर यात्रियों का कहना है कि फ्लाइट को रिशेड्यूल किया गया है। डिले करके दूसरे दिन का टिकट दिया जा रहा है। एक यात्री की फ्लाइट रात में थी, लेकिन उसे रिशेड्यूल कर आज शाम का ही टिकट कर दिया गया। एयरपोर्ट पर पिछले तीन दिनों के मुकाबले स्थिति थोड़ी सामान्य रही। लखनऊ की राधिका अवस्थी हनीमून के लिए मॉरिशस जा रही हैं। वह फ्लाइट बेंगलुरु की कनेक्टिंग फ्लाइट है। फ्लाइट लखनऊ से कैंसिल शो हो रही है और बेंगलुरु से फ्लाइट कंफर्म दिखा रही है। यहां पर अथॉरिटी कोई मदद नहीं कर रही। बेंगलुरु से आए अंजुम पाशा काउंटर पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा- पिछले 5 दिनों से यहां पर फंसे हुए हैं। न तो कोई जानकारी दी जा रही है, न ही कुछ बताया जा रहा है। हम यहां पर फंसे हैं। होटल का किराया भी 5 गुना महंगे हो गया है। श्याम लाल कनौजिया को दुबई जाना है। उनकी 6 दिसंबर को फ्लाइट थी जिसे कैंसिल कर आज 8 दिसंबर को रिशेड्यूल किया गया है। हालांकि, श्याम लाल कनेक्टिंग शहर का नाम नहीं बता पाए लेकिन उन्हें दुबई जाना है। गोरखपुर के सुनील को दुबई जाना था। उन्होंने इंडिगो का टिकट लिया था। बताया- लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचने पर पता चला कि अहमदाबाद की फ्लाइट कैंसिल है। मुझे उसी से जाना था। उसके बाद अहमदाबाद से दुबई जाना। उरई की सोनिया ने बताया- लखनऊ से मुंबई और फिर वहां से दुबई की फ्लाइट है। इंडिगो का ही टिकट है। आज फ्लाइट कैंसिल नहीं है। अभी तक तो ऑनटाइम दिखा रहा है। लखनऊ की सागिर ने बताया- सिंगापुर जा रहा हूं। इंडिगो की दिल्ली से कनेक्टिंग फ्लाइट है। मेरी आज की ही रात की फ्लाइट थी। उसे रिशेड्यूल कर दिन की कर दी है। इंडिगो वालों ने काफी मदद की।

नवंबर में मोटर वाहन बिक्री बढ़ी, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत

- नवंबर में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

त्योहारों के बाद भी मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही। एक ऑटोमोबाइल डीलर्स एसो सिएशन के अनुसार नवंबर 2025 में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी। इस वृद्धि का मुख्य कारण यात्री वाहन, तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही। नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,94,152 इकाई रहा, जो सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। जीएसटी में कटौती, विवाह सीजन की मांग, लोकप्रिय मॉडलों की बेहतर उपलब्धता और कॉम्पैक्ट एसयूवी की निरंतर मांग ने इस वृद्धि को बल दिया। दोपहिया वाहनों की बिक्री 25,46,184 इकाई रही, जो पिछले साल की तुलना में 3 फीसदी कम है। वाहन स्टॉक का समय घटकर 44-46 दिन रह गया, जो बेहतर मांग-आपूर्ति संतुलन को दर्शाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 94,935 इकाई रही, सालाना आधार पर 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, माल ढुलाई, सरकारी निविदाओं और जीएसटी सुधारों ने इस वृद्धि में योगदान दिया। तिपहिया वाहनों की बिक्री 1,33,951 इकाई रही, जिसमें 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ट्रैक्टर पंजीकरण 1,26,033 इकाई पर पहुंचा, जो पिछले साल की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। मजबूत ग्रामीण आय और फसल से जुड़ी मांग ने इसे बढ़ावा दिया। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसो सिएशन के अनुसार के अनुसार अगले तीन महीनों के लिए बिक्री परिदृश्य सकारात्मक है। जनवरी में मूल्य वृद्धि, नए मॉडलों की पेशकश और ग्रामीण मांग के कारण बिक्री में और बढ़ोतरी की संभावना है। 74 फीसदी डीलरों को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है।

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9 प्रतिशत बढ़ा

- अमेरिका के निर्यात में 29 प्रतिशत की गिरावट

हांगकांग ।

चीन के निर्यात ने नवंबर 2025 में 5.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और कुल 330.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अक्टूबर में 1.1 फीसदी गिरावट के बाद सुधार को दर्शाता है और अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर रहा। चीन के अन्य प्रमुख बाजार जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका में निर्यात में बढ़ोतरी हुई, जबकि अमेरिका की ओर निर्यात में लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों की गिरावट के साथ लगभग 29 फीसदी की कमी देखी गई। नवंबर में आयात में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अक्टूबर की एक फीसदी वृद्धि से बेहतर रही। हालांकि संपत्ति क्षेत्र की मंदी अब भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है। फैक्ट्री गतिविधियां लगातार आठवें महीने घट रही है, जिससे संकेत मिलता है कि उद्योग क्षेत्र में कमजोरी बनी हुई है। अक्टूबर के अंत में हुई बैठक में अमेरिका और चीन ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध विराम पर सहमति बनाई। अमेरिका ने शुल्क कम किए और चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का वादा किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निर्यात के लिए अस्थायी सकारात्मक संकेत है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं है। चीन के निर्यात की मजबूती से अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश इस वर्ष लगभग 5 फीसदी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पूरा कर लेगा। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2030 तक चीन की वैश्विक निर्यात में हिस्सेदारी 16.5 फीसदी तक पहुंच जाएगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और बैटरी जैसे उच्च-विकासशील क्षेत्रों में होगी।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

- पीएफसी-सिडबी बॉन्ड मार्केट में उतारेंगे 11,500 करोड़ के इश्यू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली ।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टेड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी।

वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (ने अपने आगामी आईपीओ के लिए 2,061 से 2,165 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपए (लगभग 11.86 अरब डॉलर) हो गया है। कंपनी का आईपीओ 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक खुलेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 11 दिसंबर से बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक द्वारा 4.89 करोड़ से अधिक शेयरों की ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से सीधे प्रवर्तक से शेयर खरीद सकेंगे। कंपनी के शेयर 19 दिसंबर को स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध हो सकते हैं।

पेज एक का शेष

कैबिनेट के अन्य फैसले...

- नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय, पलामू अंतर्गत लातेहार जिले के बालूमाथ में डिग्री महाविद्यालय, बालूमाथ, लातेहार के निर्माण के लिए 38.82 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचित बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के तहत झारखण्ड राज्य में स्टेट कमिटी ऑफ डैम सेफ्टी (एससीडीएस) के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।- गोड्डा जिले के घाटबंका (एनएच-333ए) से देवडांड़ (दामा) (सुन्दरपहाड़ी-अगिया मोड़, ओडीआर पथ पर) भाया संदमारा, बेलबथान, राजदाहा और जामकुंदर पथ के 17.808 किमी को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 1 अरब 27 करोड़ 54 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।- साहेबगंज जिले के दिग्घी मोड़ (एनएच-80) से मालिन रिसौड़ मोड़ (एनएच-80) 8.176 किमी को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 61.57 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- पथ प्रमंडल डालटेनगंज अंतर्गत डालटेनगंज से चैनपुर पथ (चैनपुर ब्लॉक) में नॉर्थ कोयल नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिए 64.6 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- पथ प्रमंडल, गुमला के बांकुटोली-कुरकुरा बानो पथ 33.568 किमी के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 1 अरब 40 करोड़ 51 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- राज्य में गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केन्द्र, मुटा के संचालन के लिए सरकार की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखंड और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) के बीच एमओयू के लिए नियम को शिथिल करने की मंजूरी दी गई।- भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन पर रिपोर्ट, झारखंड सरकार को झारखंड विधानसभा के पटल पर आगामी सत्र में रखने की मंजूरी दी गई।- गोड्डा के सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रभु सहाय लिंडा को सेवा से मुक्त करने की स्वीकृति दी गई।- शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, हजारीबाग के सर्जरी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ अंजना गांधी को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।- राज्य में अवस्थित संबद्धता प्राप्त उपशास्त्री (इंटर) स्तर और शास्त्री स्तर (स्नातक) के संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों को पंचम, छठा एवं सप्तम पुनरीक्षित वेतनमान की स्वीकृति दी गई।- मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना में संशोधन की स्वीकृति दी गई।- रांची के सिरमटोली चौक-राजेन्द्र चौक-मेकॉन गोलचक्कर 2.34 किमी पर चार लेन फ्लाईओवर/ एलिवेटेड आरओबी निर्माण कार्य के लिए 4 अरब 70 करोड़ 12 लाख 79 हजार रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के अंचल-बड़कागांव के विभिन्न मौजा के कुल 41.965 एकड़, गैरमजरूआ खास और गैरमजरूआ आम खाते की भूमि 16 करोड़ 91 रुपए पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए एनटीपीसी के साथ 30 वर्षों के लिए लीज बंदोबस्ती की स्वीकृति दी गई।

- वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अन्तर्गत गठित झारखंड पारिस्थितिकी पर्यटन प्राधिकार (जेईटीए) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

- विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग अंतर्गत चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय, सिमरिया, चतरा के निर्माण के लिए 34.62 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- रांची विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के बड़कागांव के मौजा-रूदी के कुल 52.57 एकड़, गैमजरूआ खास, किस्म जंगल झाड़ी भूमि को 12.86 करोड़ रुपये की अदायगी पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना में संशोधन की स्वीकृति दी गई।- रांची के सिरमटोली चौक-राजेन्द्र चौक-मेकॉन गोलचक्कर 2.34 किमी पर चार लेन फ्लाईओवर/ एलिवेटेड आरओबी निर्माण कार्य के लिए 4 अरब 70 करोड़ 12 लाख 79 हजार रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के अंचल-बड़कागांव के विभिन्न मौजा के कुल 41.965 एकड़, गैरमजरूआ खास और गैरमजरूआ आम खाते की भूमि 16 करोड़ 91 रुपए पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए एनटीपीसी के साथ 30 वर्षों के लिए लीज बंदोबस्ती की स्वीकृति दी गई।

- वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अन्तर्गत गठित झारखंड पारिस्थितिकी पर्यटन प्राधिकार (जेईटीए) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

- विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग अंतर्गत चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय, सिमरिया, चतरा के निर्माण के लिए 34.62 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- रांची विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के बड़कागांव के मौजा-रूदी के कुल 52.57 एकड़, गैमजरूआ खास, किस्म जंगल झाड़ी भूमि को 12.86 करोड़ रुपये की अदायगी पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए

एचडी ह्युंडै तूतीकोरिन में 2 अरब डॉलर के निवेश से शिपयार्ड स्थापित करेगी

परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार के मिलेंगे अवसर

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माण कंपनी एचडी ह्युंडै की प्रमुख इकाई एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) तमिलनाडु के तूतीकोरिन में नया शिपयार्ड स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इस परियोजना में करीब 2 अरब डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। प्रारंभ में इसे शिपबिल्डिंग मेक इन इंडिया टुगेदर विद ह्युंडै के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन अब इसे शिपबिल्डिंग मेक इन तमिलनाडु विद ह्युंडै कहा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के अनुसार तूतीकोरिन में शिपयार्ड के लिए विश्वस्तरीय जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। राज्य ने स्पष्ट नीतिगत ढांचा, तेज समन्वय, और मजबूत तटीय वातावरण होने के कारण एचडी ह्युंडै का भरोसा जीत लिया। परियोजना के लिए व्यवहार्य स्थलों की पहचान और उन्हें प्रतिभा, बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन के साथ समर्थन भी प्रदान किया गया है। जहाज निर्माण श्रम-सघन उद्योग है और इससे कई सहायक क्षेत्रों को लाभ होता है। एक प्रत्यक्ष नौकरी से लगभग छह अप्रत्यक्ष नौकरियां बनती हैं। इस परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अलावा, कोचीन शिपयार्ड और मझगांव डॉक भी तूतीकोरिन में अलग-अलग परियोजनाओं के तहत निवेश कर रहे हैं, जिनका कुल मूल्य 30,000 करोड़ रुपये है। राज्य शिपयार्ड विकास को प्राथमिकता दे रहा है ताकि तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, निवेश आकर्षित और प्रतिभा तैयार की जा सके। पिछले चार वर्षों में राज्य में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ और 10 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 609 अंक , निफ्टी 225 अंक फिसला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 609.68 अंक टूटकर 85,102.69 पर वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 पर बंद हुआ। सभी सूचकांक आज नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरे। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, , ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे। टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ है। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 1,106.50 अंक बढ़कर 59,488.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 456.10 अंक टूटकर 17,051.65 पर था।

शेयर बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेत बताय गये है । वहीं आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें अमेरिकी फेड के परिणामों पर रहेंगी।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स पिछले सत्र की तुलना में 109 अंक नीचे खुला। वहीं निफ्टी भी 26,153 के स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ खुला। हालांकि शुरुआती घंटे में बाजार में कुछ स्थिरता दिखी, लेकिन इसके बाद करीब बिकवाली तेज हो गई, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बढ़ा।

एशियाई बाजार में आज मिले-जुले रुझान दिखे। चीन का सीएसई 300 0.48 फीसदी बढ़ा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 फीसदी गिरा। निवेशक चीन के नवंबर के व्यापार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 0.32 फीसदी नीचे गया क्योंकि तीसरी तिमाही में जीडीपी में गिरावट शुरुआती अनुमान से ज्यादा रही। अमेरिकी बाजार अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही। डाव जोंस 0.22 फीसदी, एसएंडपी 500 0.19 फीसदी और नैस्डैक 0.31 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

रिटेल निवेशकों को निफ्टी 50 इंडेक्स से जुड़े भारतीय शेयर बाजार में निवेश के अवसर दे रहा स्बेरबैंक

रांची: रूस के सबसे बड़े बैंक स्बेरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने एक नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' लॉन्च किया है। यह फंड भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी50 (एनएसईआई) पर आधारित है, जिसमें देश की टॉप 50 कंपनियों के शेयर्स शामिल होते हैं। इस फंड के जरिए रूस के रिटेल निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी का मौका मिलेगा। यह लॉन्च एनएसई में आयोजित एक कार्यक्रम में स्बेरबैंक के सीईओ और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ द्वारा उनकी भारत यात्रा के दौरान किया गया।

निफ्टी50 दुनिया भर के बाजार निवेशकों में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इक्विटी इंडेक्स में से एक है। इसमें एनएसई में सूचीबद्ध 50 बड़ी और बेहद सक्रिय कंपनियों के शेयर्स शामिल हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के 15 अलग-अलग सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में निफ्टी50 को ट्रैक करने वाले 45 से ज्यादा पैसिव फंड्स मौजूद हैं, जबकि भारत के बाहर ऐसे 22 पैसिव फंड्स ही चलते हैं। निफ्टी50 इंडेक्स साल 1996 में शुरू हुआ था और 22 अप्रैल, 2026 को इसके 30 साल पूर्ण हो जाएंगे।

अशीष कुमार चौहान, एमडी और सीईओ, एनएसई, ने कहा हमें खुशी है कि हम स्बेरबैंक को निफ्टी50 से जुड़े इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन्स लॉन्च करने में सहयोग दे रहे हैं, जो पूंजी के प्रवाह को मजबूत करेंगे और रूस के निवेशकों के लिए भारत की इक्विटी ग्रोथ को एक भरोसेमंद बेंचमार्क के जरिए खोलेंगे। यह पहल भारत के बाजारों में मजबूत विश्वास को दर्शाती है और भारत एवं रूस की वित्तीय साझेदारी को और गहरा बनाती है। एनएसई स्बेरबैंक के साथ मिलकर बाजार कनेक्टिविटी बढ़ाने, नियमों और निवेशक-सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और इन प्रोडक्ट्स के लिए लिक्विडिटी व पारदर्शिता तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि दोनों देशों के निवेशकों को नए अवसर मिल सकें।

हरमन ग्रेफ, सीईओ और चेयरमैन-एग्जीक्यूटिव बोर्ड, स्बेरबैंक, ने कहा, इस बार दक्षिण एशिया की ओर बढ़ते हुए, हम रूस के ग्राहकों के लिए निवेश के नए अवसर पेश कर रहे हैं। हमारा नया प्रोडक्ट भारतीय शेयर बाजार जैसे दुनिया के प्रमुख आर्थिक बाजारों में आसान तरीके से निवेश का मौका देता है। अब तक रूसी निवेशकों के पास भारतीय परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत निवेश के सरल विकल्प उपलब्ध नहीं थे, लेकिन हमने दोनों देशों के बीच एक नया और प्रभावी वित्तीय मंच पेश किया है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर एकीकृत सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना करने जा रही है, जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। रिलायंस समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसकी ब्रांच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेशकों के समक्ष यह प्रस्ताव पेश की गई है। यह विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी, जिसमें इन्गॉट्स, वेफर्स, सेल्स और मॉड्यूल शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक यह आयात निर्भरता को कम करने और भारत की स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत मंच होगा। ये सुविधा मांग-आपूर्ति के बीच के बड़े अंतर को पाटेगी, क्योंकि भारत को 2030 तक प्रतिवर्ष 55-60 गीगावाट सौर मॉड्यूल की जरूरत होगी, जबकि अपस्ट्रीम क्षमता अब भी काफी कम है। रिलायंस समूह की एक अन्य कंपनी रिलायंस पावर ने अपने निवेशक प्रस्तुतिकरण में बताया कि रिलायंस एनयू एनर्जीज साधारण सौर ऊर्जा से हाइब्रिड एवं ठोस, चौबीसों घंटे (आरटीसी) नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को बल दे रही है। भारत का स्थापित स्थिर भंडारण आधार वर्तमान में एक गीगावाट से भी कम है, जो 2032 तक बढ़कर 250 गीगावाट हो जाएगा। दरअसल घरेलू विनिर्माण वर्तमान में अपेक्षित मांग का 10 फीसदी से भी कम पूरा कर पाता है।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 609.68 अंक टूटकर 85,102.69 पर वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 पर बंद हुआ। सभी सूचकांक आज नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरे। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, , ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे। टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ है। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 1,106.50 अंक

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है।

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आज़ादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आईं, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों को प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चर्चाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पश्चिम और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का फ्री वीजा और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छुट्टियां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं।

आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया । यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं। मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस बिजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्पुष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियां सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है. रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को लेक्चर देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी है। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीढ़ी बना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आय की गणना और खर्च की गणना

जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। जुलाई से सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक तरह का कौतुक पैदा किया है। जिस समय डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत गिरने के बावजूद व्यापार घाटा बढ़ने का ट्रेंड हो, 8.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करना अपने-आप में करिश्माई है। वैसे जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों में सबसे निम्न स्तर पर रही थी। स्पष्टतः उस निम्न आधार के कारण ताजा दर काफी ऊंची नजर आती है। इस बार नोमिनल जीडीपी 8.07 प्रतिशत दर्ज हुई। सरकार ने इससे 0.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर को घटाया, इसलिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी बताई गई है। मगर दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 1.9 प्रतिशत थी। पहले के चलन के तहत अगर नोमिनल दर को इससे डिफ्लेट किया जाता (यानी इसे घटाया जाता), तो जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत नजर आती। बहरहाल, ये सब आंकड़ों की बातें हैं। उन्हीं आंकड़ों का, जिन्हें जुटाने की विधि, आधार वर्ष, और अन्य खामियों को कारण बताते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सी ग्रेड में डाल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय खाता की संख्याओं में ऐसी खामियां हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था के वास्तविक प्रदर्शन की निगरानी बाधित हो जाती है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत के संदर्भ में जीडीपी को मापने के दोनों तरीकों- आय की गणना और खर्च की गणना- से आने वाली संख्या में ठोस फर्क आ जाता है। भारत में जीडीपी सरकार, जनता और कंपनियों की आय के आधार पर मापी जाती है। आदर्श स्थिति यह होती है कि जब उनके खर्च को आधार बनाया जाए, तब भी संख्या कमोबेस समान रहे। मगर भारत में ऐसा नहीं हो रहा है। इससे जीडीपी आंकड़ा समस्याग्रस्त हो जाता है। यह गंभीर टिप्पणी है। इसका परिणाम होगा कि भारत की ऊंची वृद्धि दर को अनेक हलकों में संदेह की निगाह से देखा जाएगा।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

भ्रष्टाचार : लोकतंत्र की नींव को खोखला करती दीमक

दिलीप कुमार पाठक

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है तो समाज के तीन प्रमुख सदस्य माता, पिता और शिक्षक मिलकर काम कर सकते हैं - अब्दुल कलाम आजाद...

भ्रष्टाचार का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ति या पद का इस्तेमाल खुद के फायदे के लिए करता है। इससे लोगों का सरकार और संस्थानों पर भरोसा कम हो जाता है। लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, आर्थिक विकास धीमा हो जाता है, और गरीबी, असमानता, सामाजिक झगड़े और पर्यावरण की समस्याएँ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार किसी भी देश या समुदाय पर वही असर डालता है जो लकड़ी में घुन डालता है–शनै ?शनै वह देश को खोखला कर देता है। आम शब्दों में कहे तो जायज या नाजायज काम कराने के लिए दिया जाने वाला अनुचित लाभ ही भ्रष्टाचार कहलाता है ' हर साल 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है ' यह दिवस 31 अक्टूबर 2003 को भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पारित होने के बाद से मनाया जाता है ' इसका उद्देश्य लोगों को जगाना एवं जागरूक करना है, इसलिए, आइए, आज इसका अध्ययन करते हैं '

धनी देशों के कई लोग शायद यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करता, और सोचते हैं कि यह केवल विकासशील देशों की समस्या है। हालांकि, भ्रष्टाचार इतना घातक है कि यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली के सभी हिस्सों में अपनी पैठ बना रहा है और अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को विकृत कर रहा है। हर साल लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर रिश्वत के रूप में दिया जाता है, जबकि लगभग 2.6 लाख करोड़डॉलर भ्रष्टाचार के कारण चोरी हो जाते हैं। यह कुल राशि पूरी दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन के 5 प्रतिशत से भी अधिक है। विकासशील देशों में भ्रष्टाचार से हुए नुकसान का अनुमान, उन देशों को मिलने वाली आधिकारिक सहायता की राशि से 10 गुना अधिक है। बहुत बड़ी रकम रिश्वत में जाती है, और उससे भी बड़ी रकम भ्रष्टाचार के कारण खो जाती है–जो दुनिया की कुल आय का एक बड़ा हिस्सा है, और गरीब देशों को मिलने वाली मदद से कई गुना अधिक नुकसान पहुंचाती है।

विश्व आर्थिक मंच का कहना है कि हर साल भ्रष्टाचार की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को लगभग 3.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अगर इस पैसे का थोड़ा-सा हिस्सा भी सही जगह इस्तेमाल किया जाए तो गरीबी हटाने, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाएँ बहुत बेहतर हो सकती हैं। हम सब एक ही धरती पर रहते हैं, इसलिए जब कुछ लोगों को जरूरत की चीजें नहीं मिलतीं, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। ब्राजील के किसान खाने के लिए अमेजन के जंगल काट रहे हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण युद्ध शुरू हो रहे हैं, जिससे बहुत सारे लोग शरणार्थी बन रहे हैं। असमानता और अन्याय की वजह से आतंकवादी गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। भ्रष्टाचार से बहुत सारा पैसा बर्बाद हो रहा है, जबकि वही पैसा गरीबी, बीमारी, शिक्षा और पर्यावरण जैसी बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है। जब हम इन समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं, तो पूरे दुनिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अधिक धन से नकारात्मक परिणाम ज्यादा निकलते हैं, जब बहुत सारा पैसा राजनैतिक नेताओं और अधिकारियों को खरीद लेता है, तो उस क्षेत्र की सत्ता का ढाँचा बदल जाता है। गठबंधन और प्रभाव बदलने के साथ-साथ भू-राजनीतिक कारण भी काम करते हैं। निवेश योजनाएँ, कंपनियों का काम-काज और पैसे का प्रवाह सब पर असर पड़ता है, और इसका सीधा नुकसान उन लोगों को होता है जो सीधे भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते। जब भ्रष्ट धन को सफेद किया जाता है, तो बड़े शहरों में अचल संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही, भ्रष्ट अभिजात्य वर्ग लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। सरल शब्दों में अगर कहा जाए तो बहुत अधिक पैसा सत्ता को खरीद लेता है, आर्थिक गतिविधियों को बिगाड़ता है, आम लोगों की जिन्दगी में कठिनाई बढ़ती जाती हैं '

इस साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय मिलकर एक वैश्विक अभियान चला रहे हैं, 'भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट' अगर हम साथ मिलें तो कई चीजें बेहतर हो सकती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाना, ताकि लोगों की आवाज सुनाई दे। न्याय को बढ़ावा देना, ताकि हर किसी को उसका हक मिले। शिक्षा का समर्थन करना, ताकि सभी को सीखने का मौका मिले। समृद्धि लाना, ताकि लोगों के पास काम और पैसे हों। विकास की सुरक्षा करना, ताकि प्रोजेक्ट्स बिना बाधा के चलें। जन स्वास्थ्य में सुधार करना, ताकि सभी को बेहतर इलाज मिल सके। इन छोटे-छोटे कदमों से दुनिया भर में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

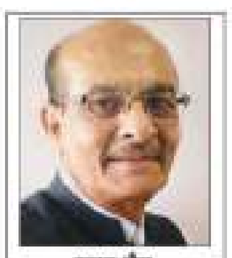

सनत जैन

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी है। एक दिन पहले ही इंडिगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थी। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पैड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रुपए तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडिगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत और एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहां यात्रा करते हैं। उनके समय की कीमत होती है। हजारों की संख्या में बूढ़े, बच्चे और महिलाएं यहां से वहां कई दिनों से मारे-मारे फिर रहे हैं। सरकार और विमानन कंपनियां अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रही हैं। न्यायपालिका भी हजारों यात्रियों को उनके ही भरोसे छोड़कर, पल्ला झाड़ लेगी, तो इस स्थिति में भविष्य में क्या हो सकता है। इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

मस्ती 4 फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने मस्ती 4 जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया।

उन्होंने कहा, इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। मस्ती 4 एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर मस्ती फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। मस्ती 4 सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

क्या दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी कल्कि 2898 एडी 2 से बाहर?

प्रियंका ने भी रखी शर्त

साल 2024 में दीपिका पादुकोण फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आई थी। इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है। इसमें भी दीपिका नजर आने वाली थीं, मगर उन्होंने फिल्म छोड़ दी। दीपिका के फिल्म का हिस्सा न होने की बात का एलान मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करके किया था।

इंडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने फीस में इजाफा किया था और साथ ही आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी, जिस पर मेकर्स के साथ सहमति नहीं बनी। बीते दिनों खबर आई कि दीपिका की जगह प्रियंका चोपड़ा फिल्म का हिस्सा बनेंगी। मगर, देसी गर्ल को साइन करना मेकर्स के लिए आसान नहीं है।

क्या दीपिका को रिप्लेस करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

एक तरफ खबरें चल रही हैं कि कल्कि 2 में प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस कर दिया है। वहीं, अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा की एंट्री मुश्किल लग रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए प्रियंका चोपड़ा से बातचीत चल रही है। हालांकि, मेकर्स को वैसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी वजह से दीपिका पादुकोण ने फिल्म छोड़ी थी। खबर है कि एक्ट्रेस ने दीपिका जितनी ही फीस मांगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण की जगह लेने के लिए और भी फीमेल स्टार्स रेस में हैं। इस रोल के लिए आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी एक्ट्रेस के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं जो स्टार पावर के मामले में प्रभास के बराबर हो। मालूम हो कि फिल्म से दीपिका के बाहर होने की ऑफिशियल घोषणा कल्कि 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से की थी। पोस्ट में लिखा था, यह ऑफिशियली घोषणा है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। बहुत सोच-विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रियंका ने रखी हैं ये डिमांड

इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने काम के घंटों में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड भी रखी है। एक सोर्स ने वेबसाइट को बताया, प्रियंका चोपड़ा ने अपने टाइम और शेड्यूल में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड रखी है, ताकि वे अपनी बेटी मालती को वक्त दे सकें। हालांकि, यह कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि प्रियंका अपनी बेटी के साथ लोकेशन पर ट्रैवल करने के लिए तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मेकर्स की बातचीत बन पाती है या देसी गर्ल भी इस फिल्म को छोड़ देंगी।

राहु केतु को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित सम्राट

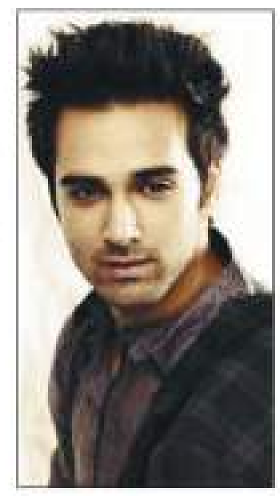

अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म राहु केतु से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फैंटेसी फिल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फैंटेसी फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुकाम है, जिसका इंतजार उन्हें बचपन से था। अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, राहु केतु को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूं, क्योंकि यह मेरी पहली फैंटेसी फिल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फिल्में देखकर बड़ा हुआ हूं, और आज जब मैं खुद ऐसी फिल्म का हिस्सा बना हूं तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफर पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फिल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फिल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताजा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फिल्ममेकिंग के अंदाज में साकार होते हुए।

तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया जवाब

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया। एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें। एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा सावी। इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सावी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ। एक और यूजर ने उनसे पूछा क्या आपका तलाक हो चुका है? इस पर दिव्या ने कहा नहीं। हालांकि लोग यही चाहते हैं। दिव्या खोसला ने साल 2005 में भूषण कुमार से शादी की थी। कुमार फिल्म और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में दिव्या खोसला फिल्म एक चतुर नार में नजर आईं। इसमें नील नितिन मुकेश भी थे।

ऐतिहासिक किरदार निभाना चाहती हैं कृति खरबंदा

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल-ए-आजम, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल-ए-आजम और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो ऐतिहासिक हो। गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक ऐसी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, मेरे लिए ज्यादा स्क्रीन प्रेजेंस से ज्यादा जरूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है। इसके अलावा इस बायोपिक को करने की एक वजह यह भी है कि मैं सानिया मिर्जा की प्रेरणादायक कहानी से काफी प्रभावित हूं।

अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है

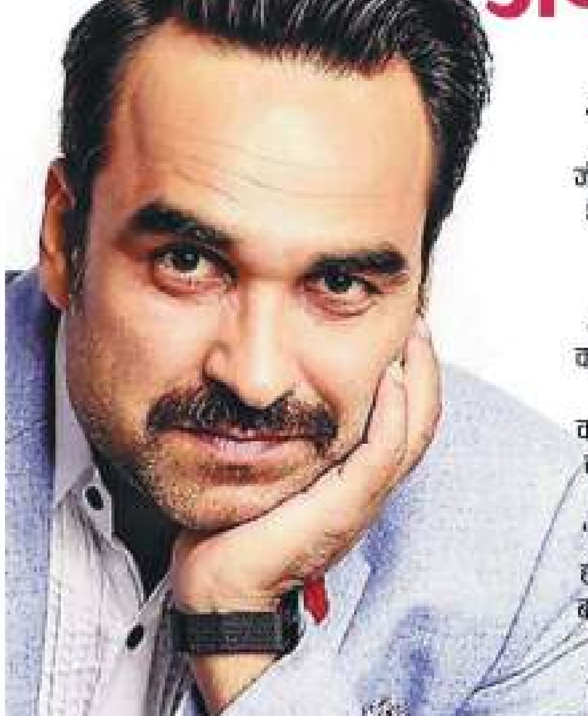

पंकज त्रिपाठी वो एक्टर हैं जिनकी आंखों में अभिनय से ज्यादा अनुभव घुला है। वह कहते हैं कि मैं अभिनय को ध्यान मानता हूं और जीवन को प्रयोग। उन्होंने संघर्ष के दिनों से जो धैर्य सीखा, वो आज भी उनके भीतर स्थिर है। सफलता उन्हें मोहित नहीं करती और असफलता विचलित नहीं करती। वह अपने अभिनय में संवाद से ज्यादा भाव पढ़ते हैं और कहते हैं कि कैमरा झूठ नहीं पकड़ता। अब जब वह बहुत कुछ पा चुके हैं तो 20 साल पहले वाला मस्ती भरा पंकज फिर पाना चाहते हैं, जो दोस्तों को डराने के लिए नीबू-सिंदूर रख आता था। अब उन्हें ना 'सेंस' चाहिए, ना 'बुद्धिज्ञान'। पंकज कहते हैं कि अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है। खास बातचीत में उन्होंने वही सब बताया, जो इंटरव्यू की तयशुदा लकीरों से बाहर था।

जिंदगी जितनी गहरी, अभिनय उतना सच्चा

पंकज त्रिपाठी बोले, मैंने सात्विक अभिनय करना एनएसडी से सीखा। वहां अपने समकक्षों के साथ रहकर, उनकी ऐक्टिंग देखकर और उनकी थ्योरी समझकर इसे जाना। सात्विक अभिनय नाट्य शास्त्र का हिस्सा है, जिसमें अभिनय को चार वर्गों में बांटा गया है, आंगिक (शारीरिक), वाचिक (वाणी से), आहार्य (मेकअप-कॉस्ट्यूम) और सात्विक (आंतरिक भाव)।

सात्विक अभिनय वह है, जो दिखता नहीं, सिर्फ महसूस होता है और यही सबसे कठिन होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसे क्लासिकल सिंगर 35 की उम्र के बाद निखरता है, वैसे ही सात्विक अभिनय भी उम्र और अनुभव की साधना से आता है। ये केवल एक्टिंग नहीं बल्कि जीवन की समझ से जुड़ा होता है। ऐक्टर की सबसे बड़ी कला उसकी जिंदगी ही होती है। जिंदगी में हर तरह के रस शृंगार, हास्य, करुण खुद बनते हैं। ये जीवन में क्रिएट हो रहे हैं और अभिनय में इन्हें रीक्रिएट करना है। अगर रीक्रिएट करना है तो साधना चाहिए, जो निरंतर अभ्यास से आएगी।

धैर्य सबसे बड़ा सबक, बाकी सब बोनस

संघर्ष के दिनों से मुझे सबसे बड़ा सबक मिला धैर्य। यही आज भी मेरे भीतर बसा हुआ है। इससे बड़ा कुछ नहीं। अगर आप अपने रास्ते पर ईमानदारी और जागरूकता के साथ चलते रहो, बिना ज्यादा मांगे या लालसा के तो बहुत कुछ अपने-आप मिलने लगता है, इतना कि जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती है। मैंने यही अनुभव किया। मैं सच्चा था अपनी मेहनत और नीयत के प्रति। कभी किसी का बुरा नहीं चाहा और ना किसी की चमचागिरी की। सच कहूं तो मैंने ऊपरवाले से भी कुछ खास मांगा नहीं था। मैं सिर्फ यही सोचकर आया था कि अच्छा काम करना है। हां, कुछ छोटी भौतिक इच्छाएं थीं जैसे एक छोटा घर हो जाए, एक गाड़ी हो जाए। हालांकि, आज जो कुछ भी हो रहा, वो सब बोनस की तरह है। मेहनत और धैर्य अगर साथ हैं तो जीवन बहुत कुछ दे देता है।

एक ही जीवन है तो प्रयोग भी जरूरी हैं

कभी-कभी सोचता हूं कि क्या ये विनम्रता, यह जीवन-दर्शन मेरे संस्कारों का बोझ तो नहीं बन गए? या क्या ये मेरी खुद की समझ है? जीवन एक ही है तो प्रयोग करना भी जरूरी है। अगर एक अनुभव देख लिया है तो अब थोड़ा उदंड अनुभव भी कर लिया जाए। यहां उदंडता का मतलब है, हर किसी की वेदना खुद में समा लेना। मेरे साथ यही होता है कि मैं स्पंज की तरह औरों का दुख सोख लेता हूं और वही मुझे सबसे ज्यादा तोड़ता है। कल किसी ने मुझसे राजनीति में आने की बात की। मैंने कहा कि मेरी इसमें कोई खास रुचि नहीं है और मैं नहीं जानता कि कल क्या होगा। वो एक आईएएस अधिकारी थे। बोले, 'तुम जैसे लोगों को भगवान ने कुछ सोचकर ही बनाया होगा।' मैं रात को इसी सोच में पड़ गया, वो ऐसा क्यों बोले होंगे?

अब फिर से मस्तीखोर पंकज बनना चाहता हूं

अब मैं चाहता हूं कि फिर से वही पंकज बन जाऊं जो 20 साल पहले था। तब मैं उदंड तो नहीं था लेकिन मस्तीखोर जरूर था। पढ़ाई के दिनों की बात है, एक दोस्त काले जादू से डरता था तो मैं हर दूसरे दिन उसके कमरे के बाहर नीबू, सुई, सिंदूर रख आता था और फिर उसका डर देखता था। वो ड्रामा बड़ा मजेदार होता था। अब सोचता हूं, वो पंकज कहां चला गया? हर जगह कुछ ना कुछ खुराफात करता रहता था। अब मन करता है कि वो पुराना वाला पंकज फिर से लौट आए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनों ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा, तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोर्जी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे। टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, त्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने वह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज गेंदबाजी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचना: 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेजी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 किमी/घंटा के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, –सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।–

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द कुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन । इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भुलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्रकार रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनों ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनों के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इनकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन दिन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनों ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अब टीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए जाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है। एक बार ये जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनाने से रोकना संभव नहीं होता। ऐसे में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।'' उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका के गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्रामक रुख से वेल्स पर पूरे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरूर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो। पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है। शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारूपों को अलविदा कहना चाहते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारूपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है। साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरिज खेलने के बाद ही तीनों प्रारूपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था। उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारूपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारूपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं। मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है। गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं। छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं। शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे। उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले। भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है। इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त कर सकें।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे। सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है। सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है। ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है। हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरिज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी। वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई। भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा। ये मैच सात-आठ फरवरी को बैंगलुरु में खेले जाएंगे। डेविस कप की मेजबानी में बैंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बैंगलुरु को मेजबानी मिली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टॉप्स की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बैंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [कतर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रहीं।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ कियानशुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डोरिन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का दूसरा वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रहीं। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिवात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीजन का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप, कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

कंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता...दहशत में लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन इलाके की सीमा पर शनिवार को एक ताकतवर 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया। यह इलाका पहाड़ी है और यहां आबादी बहुत कम रहती है, इसलिए नुकसान की जानकारी अभी सीमित है। इस भूकंप के कुछ ही मिनट बाद 5.6 और 5.3 तीव्रता के दो और आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। लगातार आने वाले झटकों से इलाके में दहशत का माहौल है। यह इलाका जंगलों, पहाड़ों और बर्फीले मैदानों से घिरा है, इसलिए यहां पहुंचना मुश्किल होता है। फिर भी अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अमेरिकी सुनामी वार्निंग सिस्टम ने साफ किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि झटके समुद्र के बहुत अंदर नहीं आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन आफ्टरशॉक जारी रहने की वजह से लोग सावधानी बरत रहे हैं और स्थानीय एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ड्रोन हमला : 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफान प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को ‘दूसरे अप्रत्याशित हमले’ में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में घायल लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि ‘पिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थल’ पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफान राज्य में केंद्रित है। सूडान में यूनिसेफ प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, स्कूल में बच्चों की हत्या बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि संघर्ष की कीमत बच्चों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सभी पक्षों से ''इन हमलों को तुरंत रोकने और जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सहायता की सुरक्षित व निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह करता है।

संपत्तियां फ्रीज, कंपनियों पर भी प्रतिबंध; खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन की बहुत बड़ी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। भारत के दबाव के बीच ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने 4 दिसंबर को गुरप्रीत सिंह रेहल नामक एक व्यक्ति और बब्बर अकाली लहर संगठन पर आतंकवाद से जुड़े आरोपों के तहत प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई खासतौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नामक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन से इनकी सांठगांठ के लिए की गई है। इस कदम से ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले चरमपंथियों को झटका लगेगा और भारत-ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) (ईयू एग्जिट) रेगुलेशंस 2019 के तहत इन प्रतिबंधों को लागू किया है। मुख्य कार्रवाइयों में शामिल हैं- संपत्ति फ्रीज: रेहल, बब्बर अकाली लहर और इनसे जुड़ी कंपनियों की ब्रिटेन में स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। ब्रिटिश नागरिकों या संस्थाओं को इन संसाधनों से कोई सौदा करने, या इन्हें कुछ भी उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है, जब तक कि एचएम ट्रेजरी से लाइसेंस न मिले।

कंपनियों पर असर: रेहल से जुड़े संगठन सेविंग पंजाब सीआईसी, वाइटहॉक कंसल्टेंसंस लिमिटेड और अनइनकॉर्पोरेटेड संगठन लोहा डिजाइन्स पर भी प्रतिबंध लगे हैं। गुरप्रीत सिंह रेहल को किसी कंपनी का निदेशक बनने या उसके प्रबंधन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर सात साल तक की कैद या 10 लाख पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार, यह पहली बार है जब घरेलू काउंटर-टेररिज्म रिजीम का इस्तेमाल खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स के फंडिंग को बाधित करने के लिए किया गया है।

खालिस्तानी आतंक से जुड़े आरोप: भर्ती, फंडिंग और हथियार खरीद : गुरप्रीत सिंह रेहल पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों से जुड़ने का आरोप है। ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वह बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन आतंकी संगठनों की गतिविधियों में समूहों का प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन, भर्ती अभियान चलाना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, हथियारों और अन्य सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता और ऐसे ही संगठनों को समर्थन और सहयोग देना शामिल है। बब्बर अकाली लहर को बब्बर खालसा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जो इसकी भर्ती, प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, जो खालिस्तान आंदोलन के नाम पर हिंसा और घृणा फैलाने के लिए फेमस है। ब्रिटेन सरकार की ये कार्रवाइयां भारत में हो रही आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क को निशाना बनाती है।

ब्रिटिश अधिकारियों के बयान: आतंकवाद के फंडिंग को कुचलेंगे : आर्थिक सचिव लूसी रिग्बी केसी एमपी ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करेंगे तो हम चुपचाप नहीं देखेंगे। यह ऐतिहासिक कदम दर्शाता है कि हम हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करके आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए तैयार हैं- चाहे वह कहीं भी हो। ब्रिटेन उन शांतिपूर्ण समुदायों के साथ दृढ़ता से खड़ा है, जो हिंसा और घृणा को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ है।

भारत-ब्रिटेन सहयोग को मिली मजबूती: वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा : यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते आतंकवाद विरोधी सहयोग का प्रतीक है। ब्रिटेन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विदेशी मिट्टी पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क को बर्दाश्त नहीं करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खालिस्तानी चरमपंथियों के वैश्विक फंडिंग चैनलों पर असर पड़ेगा। इससे भारत की सुरक्षा चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं।

बब्बर खालसा का इतिहास और खतरा : बब्बर खालसा 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान उभरा। यह भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। यह संगठन हथियार तस्करी, विस्फोटक हमले और राजनीतिक हत्याओं में लिप्त रहा है। ब्रिटेन में इसके समर्थक लंदन और अन्य शहरों में सक्रिय हैं, जहां वे फंडिंग और प्रचार के जरिए गतिविधियां चलाते हैं। हाल के वर्षों में, भारत ने ब्रिटेन से ऐसे नेटवर्क्स पर कार्रवाई की मांग की थी, और यह संयुक्त घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक आतंकवाद को फंडिंग रोकने पर केंद्रित है। आने वाले दिनों में और प्रतिबंधों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के जंगल में आग लगने से 12 घर जलकर खाक

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में जंगलों में आग लगने से कई घर जलकर खाक हो गये हैं। आस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने पुष्टि की है कि आग से कई घर जलकर खाक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने शनिवार दोपहर यह जानकारी दी। एबीसी ने बताया कि घरों में आग लगने की घटना तब सामने आई जब नेटवर्क के न्यूज़ हेलीकॉप्टर से चलाए गए लाइव वीडियो में निबिन रोड, कोलूबोंग के पास कम से कम 12 घर आग लगने से पूरी तरह खाक हो गये थे। न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने आज दोपहर निबिन रोड के लिए एक आपातकालीन चेतावनी जारी की। जंगल में लगी आग दक्षिण दिशा के ग्लेनरॉक परेड से लारा स्ट्रीट की ओर बढ़ रही है। अधिकारियों ने आग में फंसे लोगों से कहा, अगर आप निबिन रोड, ग्लेनरॉक परेड, लारा स्ट्रीट और निमाला एवेन्यू के क्षेत्र में हैं, तो आपके लिए खतरा है। यदि रास्ता साफ मिलता है तो अभी बॉय बॉय की ओर सुरक्षित बाहर निकल सकते हैं। कोलूबोंग न्यू साउथ वेल्स के सेंट्रल कोस्ट का एक उपनगर है, जो सिडनी सीबीडी से लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित है। एबीसी ने यह भी रिपोर्ट दी है कि कोलूबोंग में पटरियों के पास आग लगने के कारण सेंट्रल कोस्ट और न्यूकैसल रेलवे लाइन पर ट्रेनों का आवागमन नहीं हो रहा है। एनएसडब्ल्यू आरएफएस ने बाद में बैरामी, बैरामी क्रीक, विडन, याराबा और केराबी क्षेत्रों के लिए एक और आपातकालीन चेतावनी जारी की, क्योंकि वहां जंगल के एक बड़े क्षेत्र में जबरदस्त आग लगी है। ये क्षेत्र एनएसडब्ल्यू के ऊपर क्षेत्र में हैं और सिडनी सीबीडी से 200 किलोमीटर से अधिक उत्तर-पश्चिम में स्थित हैं। अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लोगों को सूचित किया कि उनकी जान खतरे में है और अब इलाके से बाहर निकलने में बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से एक मजबूत संरचना के अंदर शरण लेने का आग्रह किया है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार, जापान ने दर्ज कराया कड़ा विरोध; तनाव बढ़ा

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि लड़ाकू विमान रडार का इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी। माना जा रहा है कि जापान और चीन के बीच रडार लॉक की यह पहली घटना है। इससे पहले साल 2013 में एक चीनी युद्धपोत ने जापानी डेस्ट्रॉयर पर रडार लॉक किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन रवाना होने की तैयारी फिर टली

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन बार देश का नेतृत्व कर चुकीं खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। लंदन ले जाने की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक बार फिर उनकी यात्रा टाल दी है। शनिवार को मेडिकल बोर्ड ने साफ कहा कि इस समय खालिदा जिया का विदेश जाना सुरक्षित नहीं है। इसी वजह से लंदन रवाना करने की योजना अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, खालिदा जिया को फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल के CCU में रखा गया है। 80 साल की जिया को पिछले महीने सीने में गंभीर संक्रमण होने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत लगातार उठ-बैठ रही है, इसलिए मेडिकल बोर्ड ने यात्रा को 'जोखिम भरा' बताया। डॉक्टरों का कहना है कि एयर एम्बुलेंस तैयार है, लेकिन मरीज की स्थिति यात्रा योग्य होने पर ही उड़ान होगी। पहले तय था कि जिया शुक्रवार को लंदन रवाना होंगी, लेकिन कतर की ओर से भेजी जा रही एयर एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण ढाका नहीं पहुंच सकी। बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा हुआ कि कतर ने जर्मनी से दूसरा विमान मंगवाया, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की हालत अब यात्रा की अनुमति नहीं देती। BNP नेता डॉक्टर जाहिद हुसैन ने बताया कि जिया की विदेश यात्रा उनकी सेहत सुधरते ही कराई जाएगी।

बेटे तारीक की पत्नी ढाका पहुंचीं : खालिदा जिया के बेटे और BNP के कार्यवाहक प्रमुख तारीक रहमान लंदन में रहते हैं और कई कानूनी कारणों से बांग्लादेश नहीं लौट पा रहे। हालांकि उनकी पत्नी जुबैदा रहमान शुक्रवार को ढाका पहुंच गईं ताकि जिया को लंदन ले जाने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। तारीक रहमान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे मां के पास आना चाहते हैं, लेकिन यह निर्णय सिर्फ उनके हाथों में नहीं है।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग की भी तैयारी : जिया की हालत बिगड़ने के बाद सेना और वायुसेना ने एवरकेयर अस्पताल की छत पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग ट्रायल भी किया था। योजना यह थी कि जरूरत पड़ने पर सीधे अस्पताल से उन्हें एयरपोर्ट ले जाया जाएगा। इससे साफ होता है कि सरकार और चिकित्सा बोर्ड पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीरता से संभाल रहे हैं। उधर नेता देशभर में मस्जिदों और मंदिरों में जिया के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक स्थिति के बीच BNP पहले ही मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी है। अब खालिदा जिया की खराब सेहत ने पार्टी के भविष्य को और संवेदनशील बना दिया है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्षा बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

संदिग्ध गुब्बारों से हड़कंप, लिथुआनिया का विलनियस एयरपोर्ट बंद

लिथुआनिया , एजेंसी। लिथुआनिया के विलनियस एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने सभी ऑपरेशंस रोक दिए। वजह थी एयरपोर्ट के ऊपर अचानक कुछ गुब्बारे दिखाई देना। देश की नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर ने बताया कि एयर ट्रैफिक 1905 तक बंद रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। विलनियस एयरपोर्ट, जो बेलारूस की सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर है, अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 10 से ज्यादा बार इसी वजह से बंद किया जा चुका है। आखिरी बार एयरपोर्ट 3 दिसंबर को बंद किया गया था।

गुब्बारे कौन भेज रहा है : लिथुआनिया का कहना है कि ये गुब्बारे बेलारूस से तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, जो इनके जरिये सिगरेट की तस्करी करते हैं। लेकिन बात सिर्फ तस्करी तक सीमित नहीं है, लिथुआनिया बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको पर भी उंगली उठा रहा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस की सरकार इन्हें रोक नहीं रही बल्कि यह एक तरह का -हाइब्रिड अटैक- है, जिससे लिथुआनिया के हवाई यातायात को बाधित किया जा रहा है। लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी हैं, इसलिए ये घटनाएं राजनीतिक तौर पर भी संदेह पैदा करती हैं।

हाइब्रिड अटैक क्या होता है : जब किसी देश को सीधे हमला किए बिना असामान्य तरीकों से तनाव पैदा किया जाए। आर्थिक या सुरक्षा व्यवस्था को बाधित किया जाए तो इसे हाइब्रिड अटैक कहा जाता है। लिथुआनिया का कहना है कि गुब्बारों को लगातार भेजकर एयरपोर्ट को बंद करने की नौबत खड़ी की जा रही है, जिससे देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एयरपोर्ट बंद होने का असर: बार-बार एयरपोर्ट बंद होने से फ्लाइटें देरी से उड़ रही हैं या कैंसल हो रही हैं। यात्रियों को असुविधा हो रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है कि यह सिलसिला कहां तक जाएगा। सरकारी एजेंसियां अब लगातार एयरस्पेस की निगरानी कर रही हैं, ताकि गुब्बारों के कारण फिर से एयरपोर्ट को बंद न करना पड़े।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रुबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वाशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50% टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड : रुबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं।

पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल : पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

राहुल गांधी मानहानि केस-परिवादी की गवाही दर्ज, आज भी होगी जिरह

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में सोमवार को परिवादी के गवाह की गवाही दर्ज की गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में उपस्थित हुए, जिनकी मुख्य गवाही दर्ज की गई। इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह से जिरह शुरू की, किंतु जिरह पूर्ण न होने पर अदालत ने शेष जिरह के लिए कल दिनांक 9 दिसंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। चार अगस्त को कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि वाद दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे आहत होकर परिवादी ने अदालत शरण ली। कोर्ट ने मामले में 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को पेश होकर जमानत कराई थी। बाद में 25 जुलाई को उनका बयान दर्ज हुआ था, जिसमें उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष की शेष जिरह पर सभी की निगाहें टिकी है।

पालघर पुलिस स्टेशन में महिला से दुष्कर्म, आरोपी कांस्टेबल गिरफ्तार

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में कासा पुलिस स्टेशन के एक 40 वर्षीय कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। घटना पिछले सप्ताह थाने में तब हुई जब पीड़िता को बयान दर्ज कराने के बहाने बुलाया गया था। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, कांस्टेबल ने थाने में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। मामले के सामने आते ही पुलिस विभाग ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना की गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कासा पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को भी इस मामले के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं।

गिर सोमनाथ में भूकंप के हल्के झटके, किसी नुकसान की खबर नहीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमवार सुबह 10:51 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने बताया कि अब तक कहीं से किसी प्रकार के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र गिर सोमनाथ क्षेत्र के निकट था। झटके महसूस होने के कारण लोग बड़ी संख्या में घरों से बाहर भी निकल आए। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। फिर भी प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। भूकंप के झटके और खतरे को लेकर भू-विज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि 3.1 तीव्रता के झटके सामान्य माने जाते हैं और इनमें गंभीर नुकसान की संभावना बेहद कम होती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग सतर्कता के साथ सभी पहलुओं की निगरानी कर रहे हैं।

ऑल वेदर रोड के खिलाफ उतरा संघ... 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में केन्द्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी गंगोत्री हाईवे परियोजना यानी ऑल वेदर रोड के खिलाफ संघ यानी आरएसएस खुलकर विरोध में आ गया है। संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने परियोजना के तहत 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध किया है। इसके बाद उत्तरकाशी के हर्षिल में 100 से ज्यादा लोगों ने देवदार के पेड़ों की रक्षा सूत्र बांधा। इसका समर्थन देने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी पहुंचे। पर्यावरण जानकार ने बताया कि ये पेड़ भागीरथी इकोनॉमिक सेंसेटिव जोन में काटे जाएंगे, जिससे गंगा का पानी सूख जाएगा। इसका असर पूरे उत्तर भारत में देखने को मिलेगा और बर्फबारी में कमी होगी। इसी साल नवंबर में उत्तराखंड के वन विभाग के अनुसार, ऑल वेदर रोड के कारण 41.92 हेक्टेयर वन क्षेत्र का नुकसान होगा, इसमें कई देवदार के पेड़ भी शामिल हैं। इससे पहले बताया गया था कि 900 किलोमीटर लंबी परियोजना में कुल 56 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाने थे, जिनमें से लगभग 36,000 पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे।

प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ते 34 मछुआरे गिरफ्तार, दो नौकाएं भी जब्त

कोच्ची (एजेंसी)। ओडिशा के वन अधिकारियों ने केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य से 34 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो नौकाएं भी जब्त किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां पिछले 48 घंटों में की गई। आरोप है कि मछुआरे प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। भितरकनिका के सहायक वन संरक्षक ने बताया कि अभयारण्य के निषिद्ध क्षेत्रों में पहुंचे मछुआरों की नौकाएं वन गश्ती दलों ने जब्त कर ली है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मछुआरे बालासोर और मयूरभंज जिलों के निवासी हैं। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नौकाएं अभयारण्य के प्रतिबंधित गलियारों तक घुस आई और उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, ओडिशा समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम और समुद्री अभयारण्य से जुड़े अनिवार्य नियमों का उल्लंघन किया। ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के प्रजनन क्षेत्रों में मछली पकड़ने के आरोप में अब तक करीब 200 मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें राज्य सरकार ने लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुओं के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए एक नवंबर से धामरा से देवी नदी के मुहाने तक 20 किलोमीटर के इलाके में सात महीने के लिए मछली पकड़ने पर बैन लगा दिया है। हालांकि, गहिरमाथा को समुद्री अभयारण्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण यहां यह प्रतिबंध पूरे साल लागू रहता है।

अच्छे कानून बनाने के लिए सांसद व्हिप से मुक्त हो, कांग्रेस नेता तिवारी ने पेश किया निजी बिल

भविष्य में वे सांसद पार्टी लाइन से हटकर वोट कर सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सांसदों को व्हिप की बाध्यता को कम करने के लिए लोकसभा में एक निजी बिल पेश किया है। इसमें उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि अच्छे कानून बनाने के लिए सांसदों को व्हिप से मुक्त करें, ताकि भविष्य वे पार्टी लाइन से हटकर भी सांसद वोट कर सकें।

शुक्रवार को दलबदल रोधी कानून में संशोधन के लिए गैर-सरकार विधेयक पेश करने वाले कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि बदलाव से सांसद जनता की आवाज के मुताबिक फैसला होगा, न कि सिर्फ पार्टी आदेशों के मुताबिक होगा। कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि इसका इरादा अच्छे कानून बनाना और लोकतंत्र में सांसदों की आजाद राय सुनिश्चित करना है। ताकि वे पार्टी लाइन का पालन किए बिना अपने विवेक से किसी भी बिल-प्रस्ताव पर वोट करने या न करने का फैसला ले सकें।

फिलहाल यदि सांसद पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर वोट करते हैं, तब उनकी सदस्यता खतरे में आ जाती है, लेकिन बिल से सांसदों की सदस्यता सिर्फ तभी खत्म होगी, जब वे विश्वास-अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव, मनी बिल या वित्तीय मामलों पर पार्टी निर्देश के खिलाफ वोट दें या अनुपस्थित रहें। किसी बिल या प्रस्ताव पर जारी पार्टी निर्देश की जानकारी हाउस के चेयरमैन या स्पीकर सदन में घोषित करते हैं। यदि कोई सदस्य निर्देश के खिलाफ जाता है, तब सदस्यता स्वतः समाप्त होगी। सदस्य को 15 दिनों के भीतर स्पीकर/चेयरमैन के पास अपील करने का अधिकार होगा और अपील का निपटारा 60 दिनों में होना चाहिए। कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि संसद में कई बार कोरम पूरा नहीं होता और लॉमेकिंग में सांसदों की भूमिका सीमित हो गई है। कानून मंत्रालय में तैयार होते हैं, मंत्री तैयार बयान पढ़ते हैं और व्हिप के कारण ट्रेजरी और विपक्ष दोनों तयशुदा लाइन पर वोट करते हैं। उन्होंने कहा कि 1950 से 1985 तक व्हिप लगाए जाते थे, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं थे। 1967 में 'आया राम गया राम' की घटनाओं के बाद दलबदल बढ़ा और आखिर में तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 10वां शेड्यूल लागू किया।

पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर पोस्टर... अब पार्टी की कमान संभालें निशांत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। राजधानी पटना स्थित जनता दल युनाइटेड (जदयू) के दफ्तर के बाहर पोस्टर लगे हैं, जिन पर लिखा है, अब पार्टी की कमान संभालें निशांत और नीतीश सेवक मांगे निशांत। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी निशांत के राजनीति में आने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सदस्य और समर्थक चाहते हैं कि निशांत पार्टी में शामिल हों, लेकिन अंतिम फैसला निशांत को ही लेना है। राजधानी पटना में ये पोस्टर तब समय पर सामने आए हैं जब जदयू ने राज्य में 2025 से 2028 तक के लिए सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। बता दें कि निशांत कुमार नीतीश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने सेंट केरन्स (पटना), मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल (मसूरी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटीआई) मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की शिक्षा ली है। 2017 में उन्होंने राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं होने की बात कही थी और कहा था कि उनका पहला प्यार अध्यात्म है। हालांकि, इस साल जनवरी में वह बख्तियारपुर में एक कार्यक्रम में नजर आए थे और पिता के लिए समर्थन जुटा रहे थे। यह घटनाक्रम दिखाता है कि जदयू के भीतर और समर्थकों के बीच निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग बढ़ रही है।

मस्जिद की नींव हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने रखी... वह ड्रामा कर रही

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का टीएमसी पर आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सवाल उठा दिए हैं। भाजपा के आरोप है कि सीएम ममता अपने नेताओं और सांसदों से ही इसके खिलाफ बयान दिला रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने नींव रखी है, और वह ड्रामा कर रही हैं और अपने नेताओं और सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, ममता बंगाल की धरती को हिंदू मुसलमान में बांटने के लिए ये बाबरी मस्जिद हिडन एजेंडा के रूप में कबीर के द्वारा इन्होंने लाया है। इसका विरोध पूरे देश में जिस ढंग से अब दूसरी जगह हो रहा है। ममता बनर्जी को इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने संसद में होने वाली चर्चा पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, अगर भारत के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में वंदे मातरम् पर चर्चा नहीं होगी, तब कहां होगी? वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। आजादी का यह गीत बंगाल की धरती से था, इस पर चर्चा होनी चाहिए। यह भारत की विरासत है...।

रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी से निलंबित होने के बाद अब कबीर नई पार्टी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसे लेकर वह 22 दिसंबर को बड़ी घोषणा कर सकते हैं। खबरें थीं कि मस्जिद की नींव रखने के प्रस्ताव के बाद से ही सीएम बनर्जी विधायक से नाराज थीं। हालांकि, पार्टी ने इस लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

तमिलनाडु में 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के कट सकते हैं नाम, 11 दिसंबर तक जमा होंगे फार्म

-मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर जिनके नाम 2003 की लिस्ट से नहीं हो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के फॉर्म 11 दिसंबर तक जमा होंगे। इस बीच तमिलनाडु में अब तक मिले डेटा से पता चलता है कि मसौदा मतदाता सूची से 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कट सकते हैं। राज्य में अब तक 84.91 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म अनकलेक्टेबल श्रेणी में हैं यानी इन फॉर्म को अलग-अलग कारणों से इकट्ठा नहीं किया सकता है। इसमें अधूरी जानकारी होना, 2003 की लिस्ट में नाम न मिलना, वोटर की मौत या शिफ्ट हो जाना प्रमुख कारण हैं।

वहीं बंगाल में शुक्रवार तक अनकलेक्टेबल एन्यूमरेशन फॉर्म की संख्या 54.59 लाख थी यानी इनके नाम वोटर्स लिस्ट से कटने की आशंका है, जबकि केरल में जिन वोटरों का पता नहीं चल रहा है, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। उनकी संख्या बढ़कर 20 लाख से ज्यादा हो गई है।

दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

तमिलनाडु में 16 दिसंबर को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची से इन नामों को हटाया जा सकता है। यह आंकड़ा राज्य के कुल 6.41 करोड़ मतदाताओं का 13.24फीसदी है। इसमें 44.22 लाख फॉर्म हमेशा के लिए शिफ्ट श्रेणी में हैं। वहीं 26.18 लाख को मृत, 10.73 लाख को अनुपस्थित और 3.5 लाख को डुप्लीकेट श्रेणी में रखा गया है। हालांकि मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा है कि प्रक्रिया अभी चल रही है। ये डेटा फाइनल नहीं है। केरल में अनकलेक्टेबल की लिस्ट में 20.75 लाख लोग हैं। इसमें से 7.39 लाख स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। 6.11 लाख फॉर्म ऐसे लोगों के हैं, जो मर चुके हैं। वहीं 5.66 लाख का पता नहीं चला है। 1.12 लाख नाम डुप्लीकेट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में 23.71 लाख डेथ वोटर्स, 10.25 लाख लापता, 19.08 लाख शिफ्टेड और 1.26 लाख डुप्लीकेट वोटर्स शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर पाए गए हैं, जिनके नाम 2003 की वोटर लिस्ट से मैच नहीं हो रहे। इनका कोई लिंक न तो ब्लड रिलेशन से मिल रहा है और न ही वोटर लिस्ट में नाम दर्ज है। ऐसे वोटरों के नाम कटना तय माना जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अफसरों ने सभी जिला प्रशासन को नो-मैपिंग वाले वोटरों की क्रॉस-चेकिंग करने की हिदायत दी है, ताकि नोटिस जारी करने में कोई समस्या न आए।

चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस: चुनावी वादों पर भ्रष्ट आचरण का आरोप

-चुनाव लड़ने से रोकने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट ने वरुणा सीट से उनके 2023 के चुनाव के खिलाफ दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका वरुणा क्षेत्र के मतदाता शंकर ने दायर की है, जिसमें निम्नलिखित की मांग की गई है कि सिद्दारमैया का चुनाव रद्द किया जाए। उन्हें अगले छह साल तक चुनाव लड़ने से रोका जाए।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में जो पांच वादे किए थे, वे मतदाताओं को रिश्वत देने के समान हैं। यह घोषणापत्र सिद्दारमैया की सहमति से जारी हुआ था, इसलिए उन पर भ्रष्ट आचरण का मामला बनता है। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता ने इन वादों को भ्रष्ट आचरण बताकर कहा है कि इनसे पुरुषों के साथ भेदभाव हुआ, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। प्रत्येक घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपए प्रतिमाह, प्रत्येक बीपीएल परिवार के सदस्य को 10 किलो अनाज प्रतिमाह, बेरोजगार ग्रेजुएट्स को 2 साल तक 3,000 रुपए प्रतिमाह, डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रतिमाह और राज्य में सभी महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख

कर्नाटक हाईकोर्ट- अप्रैल में याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया था कि चुनाव में किए गए वादे करप्ट प्रैक्टिस (भ्रष्ट आचरण) की श्रेणी में नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट (जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच)-शुरुआत में बेंच ने याचिका खारिज करने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, अदालत को तमिलनाडु के लंबित मामले (एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार, 2013) की जानकारी दी गई, जिसमें समान चुनावी वादों को भ्रष्ट आचरण माना जाए या नहीं, इस पर तीन न्यायाधीशों की बेंच के सामने चुनौती लंबित है। इसी कारण, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में भी सुनवाई की अनुमति दी और सिद्दारमैया तथा अन्य पक्षों को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। यह मामला भारतीय राजनीति और चुनावी नियमों के बीच एक महत्वपूर्ण कानूनी बहस बन गया है। सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई में यह तय होगा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को कानूनी रूप से भ्रष्ट प्रैक्टिस माना जा सकता है या नहीं।

बीकानेर बार्डर पार करने की कोशिश कर रहे छात्र को सुरक्षाबलों ने पकड़ा, जासूसी का शक

-पाकिस्तान के रावलपिंडी में रहती है प्रेमिका, 2017 में जेल में हुई थी मुलाकात

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर के खाजूवाला सेक्टर में सुरक्षाबलों ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान में घुसने की कोशिश करते हुए आंध्र प्रदेश के एक बीटेक ग्रेजुएट छात्र को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम प्रशांत वेदम है, जो विशाखापट्टनम का रहने वाला है। उसने सुरक्षा एजेंसियों को बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। वह एक बार पहले भी बॉर्डर पार कर पाकिस्तान जा चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि प्रशांत वेदम शुक्रवार दोपहर को खाजूवाला में एक बस से उतरा और इंटरनेशनल बॉर्डर की तरफ चला गया, तभी आर्मी कैंप के चक 17 के पास सैनिकों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा और उन्होंने उसे रोक लिया। थोड़ी देर पूछताछ के बाद उन्होंने उसे खाजूवाला पुलिस को सौंप दिया। खाजूवाला एसएचओ के मुताबिक प्रशांत वेदम खुलेआम पाकिस्तान जाने की बात कर रहा था और सीमा पार करने का आसान रास्ता ढूंढ रहा था। आर्मी इंटेलिजेंस को इसकी जानकारी मिली और उसे तुरंत पकड़ लिया। जांच अधिकारियों को शक है कि वह पाकिस्तान लौटने की कोशिश कर रहा था, उसके पाकिस्तान जाने का असली मकसद पूछताछ के बाद ही पता चलेगा। एसएचओ ने कहा कि अब उससे आर्मी और सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि यह प्रशांत वेदम की पहली कोशिश नहीं थी। वह पहले 2017 में बीकानेर में करणी पोस्ट के रास्ते पाकिस्तान गया था। उस समय उसे पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार कर लिया था और वह 2021 तक उनकी हिरासत में रहा था, जिसके बाद उसे अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत भेज दिया गया। दोबारा यात्रा करने की उसकी कोशिश ने उसके बयान पर शक पैदा कर दिया है और आर्मी को भी उसके दावों पर शक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ ने बताया कि वह दावा कर रहा है कि उसे पाकिस्तान में एक महिला से प्यार हो गया था जिसे वह अपनी गर्लफ्रेंड प्रविता बता रहा है जो दूसरी सेल में जेल में थी जो रावलपिंडी में रहती है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि वह उससे मिलने के लिए पाकिस्तान वापस जा रहा था। यह साफ नहीं है कि वह अभी भी उस लड़की के संपर्क में था या नहीं। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश में प्रशांत के परिवार को सूचना दे दी गई है और उसका भाई अधिकारियों की मदद के लिए खाजूवाला आने के लिए निकल गया है। उसके भाई ने बताया कि प्रशांत वेदम को कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशांत बीटेक ग्रेजुएट है। वह चीन और अफ्रीका में भी काम कर चुका है। पुलिस ने बताया कि प्रशांत को अब खाजूवाला में सेफ हाउस में रखा गया है, जहां अलग-अलग खुफिया एजेंसियां उससे मिलकर पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता चल सके कि यह सीमा पार जासूसी का मामला तो नहीं है।

इंडिगो संकट... क्या डीजीसीए के फरमान के बाद भी लापरवाह बना रहा कंपनी का हाई-प्रोफाइल बोर्ड

-कंपनी की आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते पांच दिनों से गंभीर परिचालन संकट में है, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी है। उड़ानों के लगातार रद्द और विलंब होने से एयरपोर्ट्स पर अराजकता का माहौल बना हुआ है। इस घटना ने न केवल इंडिगो के संचालन मॉडल पर सवाल उठा दिए हैं, बल्कि कंपनी के हाई-प्रोफाइल बोर्ड और उनकी आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। सवाल उठते है कि क्या इंडिगो प्रबंधन और बोर्ड ने संकट की आशंका को देखकर कोई ठोस रणनीति बनाई गई थी।

मामले के केंद्र में पायलटों के लिए लागू होने वाले फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम है, जिन्हें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी 2024 में अधिसूचित किया था। शुरुआत में यह नियम 1 जून 2024 से लागू होने थे, लेकिन एयरलाइंस कंपनियों के विरोध के चलते इन्हें बाद में दो चरणों में 1 जुलाई और 1 नवंबर 2025 से लागू करने का फैसला हुआ। इसके बावजूद, इंडिगो इन्हें लागू करने की तैयारी समय रहते नहीं कर सकी, इसके परिणामस्वरूप पायलटों की कमी और ड्यूटी शेड्यूल में अव्यवस्था पैदा हुई और संचालन चरमरा गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो के बोर्ड में कई जानी-मानी हस्तियां हैं, लेकिन उनके बावजूद ऐसी चूक होना हैरान करने वाला है। बोर्ड में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया, पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत, सेबी के पूर्व चेयरमैन दामोदरन, पूर्व एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की मैनेजिंग पार्टनर पल्लवी श्रॉफ, ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस के पूर्व एक्जीक्यूटिव माइक विटेकर और चेयरमैन विक्रम मेहता जैसे नाम शामिल हैं। इसके बावजूद, तैयारी में कमी उजागर होने से बोर्ड की जवाबदेही पर तीखी आलोचना हो रही है।

वहीं डीजीसीए पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या नियामक समय रहते स्थिति को भांप सका था। हालांकि डीजीसीए ने कहा है कि उसने तैयारी पूरी करने के लिए एयरलाइन को लगातार चेतावनी और निर्देश दिए थे। यह पूरा मामला न केवल प्रबंधन क्षमता, बल्कि भारत की विमानन नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी गंभीर बहस छेड़ चुका है। यात्रियों की असुविधा का सिलसिला जारी है और अब सभी की निगाहें इंडिगो की सुधारात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं।